

रेत के स्टॉक में भारी गड़बड़ी पर की गई बड़ी कार्रवाई विस्टा सेल्स पर 27.44 करोड़ की शास्ति, पोर्टल पर 1.46 लाख घनमीटर रेत और मौके पर महज 100 घनमीटर मिली

समय जगत, कटनी। जिले में खनिज संपदा के अवैध परिवहन और भंडारण में अनियमितता करने वालों के विरुद्ध कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी आशीष तिवारी ने कड़ा प्रशासनिक रुख अपनाया है। रेत के स्टॉक में भारी अंतर पाए जाने के मामले में कलेक्टर न्यायालय ने मेसर्स विस्टा सेल्स प्राइवेट लिमिटेड पर 27 करोड़ 44 लाख 29 हजार 650 रुपये की बड़ी शास्ति अधिरोपित की है। फर्म को अधिरोपित राशि जमा कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। यह कार्रवाई मध्य प्रदेश खनिज अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण नियम, 2022 के नियम 19 के तहत की गई है। प्रकरण में सेंड पोर्टल पर दर्ज स्टॉक और मौके पर उपलब्ध रेत की मात्रा में 1 लाख 46 हजार 362 घनमीटर का भारी अंतर सामने आया था। जिले में स्वीकृत खनिज



रेत भंडारण अनुज्ञप्ति स्थलों पर 30 सितंबर 2023 की रात्रि 12 बजे सेंड पोर्टल में दर्ज शेष स्टॉक का भौतिक सत्यापन कराया गया था। इसी क्रम में तहसील विजयराघवगढ़ के ग्राम पुरेनी

स्थित खसरा क्रमांक 43/1, 43/2 एवं 43/3, कुल रकबा 1.320 हेक्टेयर में संचालित मेसर्स विस्टा सेल्स प्राइवेट लिमिटेड के खनिज व्यापारिक अनुज्ञप्ति स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में सामने आया कि मौके पर स्वीकृत भंडारण स्थल में लगभग 100 घनमीटर रेत ही उपलब्ध थी, जबकि सेंड पोर्टल पर 1 लाख 46 हजार 462 घनमीटर रेत का स्टॉक दर्ज था। इस तरह पोर्टल और वास्तविक भौतिक स्टॉक में 1 लाख 46 हजार 362 घनमीटर का अंतर पाया गया। इतने बड़े अंतर को लेकर फर्म से वैध विक्रय अथवा विधिसम्मत परिवहन के संबंध में आवश्यक दस्तावेज मांगे गए, लेकिन फर्म ऐसा समुचित और विश्वसनीय अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सकी, जिससे इतनी बड़ी मात्रा में रेत के भंडारण स्थल से

बाहर जाने को वैध ठहराया जा सके। संचालनालय भूमिकी तथा खनिकर्म मध्यप्रदेश के 3 जनवरी 2024 के पत्र में भी स्पष्ट किया गया है कि यदि सेंड पोर्टल पर रेत का स्टॉक उपलब्ध दर्शाया जा रहा हो, लेकिन स्वीकृत भंडारण स्थल पर रेत उपलब्ध नहीं है अथवा दर्ज मात्रा से कम पाई जाती है, तो ऐसी स्थिति में भंडारण स्थल से रेत का बिना अभिवहन पास के प्रेषण किए जाने की संभावना मानी जा सकती है। कलेक्टर न्यायालय ने प्रकरण में उपलब्ध विभागीय प्रतिवेदन, स्थल निरीक्षण पंचनामा, शासन साक्षी के कथन एवं प्रतिपरीक्षण सहित सभी मौखिक एवं दस्तावेजी साक्ष्यों का सूक्ष्म परीक्षण किया। अनावेदक की ओर से जांच में तकनीकी एवं प्रक्रियात्मक त्रुटियों का हवाला दिया गया।

शिक्षकों के सम्मान से ही राष्ट्र निर्माण की नींव होती है मजबूत : राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी

दमोह, समय जगत। जबेरा क्षेत्र में शिक्षक दिवस पर संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी के निवास पर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर राज्यमंत्री श्री लोधी ने जबेरा क्षेत्र के सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में उत्कृष्ट कार्य कर रहे अधिकारियों एवं कर्मचारियों का बारी-बारी से स्वागत एवं सम्मान किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा शिक्षकों के प्रति सदैव मेरे हृदय में सम्मान का भाव रहा है। इसका एक प्रमुख कारण यह भी है कि मेरे पिताश्री भार्वसिंह लोधी भी शिक्षक रहे हैं। मैंने अपने जीवन में देखा है कि शिक्षक न केवल बच्चों को शिक्षा देकर उनका भविष्य संवारते हैं बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक स्वयं कठिन परिश्रम करते हुए बच्चों को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रेरित करते हैं और अपने परिवार के बच्चों को भी शिक्षित एवं संस्कारित बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। शिक्षक ही आने



वाली पीढ़ी को दिशा और संस्कार देने का कार्य करते हैं। राज्यमंत्री लोधी ने कहा कि बच्चे मिट्टी के समान होते हैं, उन्हें जिस प्रकार ढाला जाए वे उसी रूप में आकार लेते हैं। इसलिए बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। एक योग्य और समर्पित शिक्षक ही बच्चों को बेहतर नागरिक बनाकर देश, समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देने के

लिए तैयार करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा देने का कार्य नहीं करते, बल्कि वे समाज को नई दिशा देने और राष्ट्र के भविष्य को गढ़ने का महत्वपूर्ण दायित्व निभाते हैं। ऐसे सभी शिक्षकों एवं शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने वाले व्यक्तियों के प्रति सदैव सम्मान और कृतज्ञता का भाव रहना चाहिए। कार्यक्रम में सतेन्द्र सिंह लोधी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

आरटीओ कार्यालय की ऊपरी दीवार दही, लगातार बारिश बनी वजह

समय जगत, कटनी। जिले में बीते 24 घंटों से हो रही रुक रुक कर रिमड्रिम बारिश के बीच एक बड़ा हादसा होने होने टल गया। लगातार हो रही बारिश के कारण आरटीओ कार्यालय की ऊपरी दीवार ढेर शाम करीब 4 बजे अचानक भरभराकर नीचे गिर गई। राहत की बात यह रही कि घटना के वक्त मौके पर कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ी अहमोर्नी टल गई। जानकारी के अनुसार कटनी जिले में शुक्रवार शाम से ही बारिश का दौर रुक रुक कर जारी है। पानी से भीनीने के कारण आरटीओ कार्यालय की इमारत के ऊपर का हिस्सा अचानक टूटकर गिर पड़ा। गनीमत रही कि घटना के समय वहां से कोई कर्मचारी या आवेदक नहीं गुजर रहा था। घटना के तुरंत बाद आरटीओ अधिकारी ने मामले की जानकारी कटनी कलेक्टर आशीष तिवारी को दी।

सचिव के साथ गाली गलौज के आरोपी को भेजा गया जेल

कटनी। माधवनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम टेढ़ी में सचिव के साथ गाली गलौज करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और न्यायालय में पेश करते हुए जेल भेज दिया है। निवार चौकी प्रभारी अंजनी मिश्रा ने बताया कि विगत दिनों ग्राम टेढ़ी में ग्राम सचिव के साथ गाली गलौज एवं अभद्र व्यवहार करने का मामला सामने आया था। इस मामले में फरियादी की रिपोर्ट पर एकआईआर दर्ज करते हुए आरोपी की तलाश शुरू की गई। विगत 5 सितंबर को आरोपी रंजीत लुनिया पिता भारत लुनिया निवासी ग्राम टेढ़ी को प्रकरण में गिरफ्तार किया गया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से माननीय न्यायालय के आदेशानुसार आरोपी को जेल भेज दिया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी माधवनगर शैलेन्द्र सिंह यादव, चौकी प्रभारी निवार अंजनी मिश्रा, एसआई राजेश कोरी, आरक्षक अरविंद की विशेष भूमिका रही।

नौनार सरकार के लिए चौथी बाइक झंडा यात्रा हुई रवाना

समय जगत, श्योपुर। शहर के शिवपुरी रोड स्थित श्रीगिरिवरधारी हनुमान मंदिर से खाटूश्याम मंदिर नौनार सरकार के लिए चौथी बाइक झंडा यात्रा रवाना हुई। इस मौके पर सबसे पहले गिरिवरधारी हनुमान मंदिर पर पूजा अर्चना की गई, इसके पश्चात बाइको पर झंडा लेकर श्याम प्रेमी रवाना हुए जिसमें श्याम ध्यारे की जय के नारे से पूरा माहौल श्याममय हो गया। श्यामभक्त मंडल द्वारा जानकारी दी गई कि रविवार को चौथी बाइक यात्रा गिरिवरधारी हनुमान मंदिर से रवाना हुई जिसमें सैंकड़ों की संख्या में खाटूश्याम के भक्त बाइको पर सवार हुए, इसके पूर्व पूजन अर्चन किया गया, गाजे बाजे के साथ रवाना होते हुए श्याम प्रेमी बाबा के भजनो पर झूमते नजर आए। इस स्थान स्थान पर बाइक यात्रा का स्वागत सत्कार भी किया गया वहीं कराहल के प्रसिद्ध नौनार सरकार स्थित खाटूश्याम मंदिर पर पहुंचकर बाबा को झंडा समर्पित किया गया जहां नौनार सरकार के महेश्वरी गोपालदास जी महावाज ने सभी भक्तों का स्वागत किया और बाबा श्याम के मंदिर में झंडा समर्पित किया गया।

मारपीट मामले में दर्ज हुआ मुकदमा

श्योपुर। जिले के विजयपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम इकलोद में एक युवक से पुरानी रंजिश को लेकर शनिवार की रात्रि में मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस द्वारा इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक आयोजित सेवा संकल्प अभियान का क्रियान्वयन बेहतर तरीके से करें: प्रभारी मंत्री

श्योपुर। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के प्रभारी मंत्री राकेश शुक्ला की अध्यक्षता में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक की आयोजित की गई। बैठक में प्रभारी मंत्री शुक्ला ने सभी सदस्यों की भावना के अनुरूप क्षेत्र के प्रसिद्ध और लोगों की आस्था के केन्द्र रामेश्वर त्रिवेणी संगम धाम को विकसित करने के लिए व्यापक कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिये साथ ही इस पर फोकस करते हुए इसे विकसित करने की दिशा में कार्य किया जायेगा। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक के दौरान कलेक्टर शीला दाहिना, पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान, जिला पंचायत अध्यक्ष गुड्डु बाई



आदिवासी, विधायक विजयपुर मुकेश मल्होत्रा, सीईओ जिला पंचायत कार्तिकेय जायसवाल, अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय, भाजपा जिला अध्यक्ष

शशांक भूषण, पूर्व विधायकगण दुर्गालाल विजय, बृजराज सिंह चौहान, सीताराम आदिवासी, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य महावीर सिंह सिसौदिया,

कैलाश नारायण गुप्ता, सुरेन्द्र सिंह जाट, अरविन्द सिंह जादौन, गिरांज सिंह चौधरी, संजय अकोलिया, रामस्वरूप मीणा, लखन सिंह जाट, सतीश सिंहल, ओमप्रकाश शर्मा, रामअवतार शर्मा, नरेन्द्र मीणा, डॉ एसके तिवारी, सुजीत गर्ग आदि सदस्यगण उपस्थित थे। प्रभारी मंत्री राकेश शुक्ला ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा रामेश्वर त्रिवेणी संगम धाम के विकास के संबंध में वन विभाग सहित अन्य विभागों से चर्चा कर प्रस्ताव तैयार किया जायें तथा संबंधित अनुमतियों को किस स्तर पर लिया जाना है, उसका भी समावेश किया जायें।

उप स्वास्थ्य केन्द्र आरोग्य भवन का किया लोकार्पण भूमि दान समाजसेवा और परोपकार की है अनुकरणीय मिसाल : राज्यमंत्री पटेल

दमोह, समय जगत। गांवों में भूमि के अभाव के कारण अस्पताल सहित अन्य जनहितकारी कार्यों के निर्माण में कई बार कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। वर्तमान समय में भूमि के बढ़ते मूल्य के बीच जनहित के लिए अपनी भूमि दान करना साहस, उदारता और समाजसेवा का अनुकरणीय कार्य है। इस आशय की बात आनंद विभाग के राज्यमंत्री लखन पटेल ने ग्राम आंजनी में 65 लाख रुपए से निर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र आरोग्य भवन के लोकार्पण अवसर पर कही। इस दौरान दान दाता के परिवार जनों का राज्यमंत्री श्री पटेल ने स्वागत किया। राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि देवल्या परिवार ने जनहित को प्राथमिकता देते हुए उप स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण के लिए भूमि दान की है। इस भूमि पर निर्मित



स्वास्थ्य केन्द्र से आंजनी सहित आसपास के 5.6 ग्रामों के नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि लोग रक्तदान कर समाजसेवा करते हैं वहीं आंजनी

के देवल्या परिवार ने भूमि दान कर समाज के समक्ष एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। परिवार का यह योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणादायी रहेगा।

जनसमस्याओं के निराकरण के लिए सरकार प्रतिबद्ध: राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि राज्य सरकार जनकल्याण और विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री की मंशा है कि प्रत्येक नागरिक और परिवार का विकास हो तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने ग्रामीणजनों से कहा कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत अपनी समस्याओं एवं आवश्यकताओं से जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासन को अवगत कराएं ताकि उनका प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जा सके। उन्होंने कहा कि लोगों का कल्याण और क्षेत्र का विकास सुनिश्चित करना ही जनप्रतिनिधियों का उद्देश्य है। इसी भावना के साथ वे राजनीति में आए हैं।

राजेंद्र महावीर को मिला उत्कृष्ट समाजसेवी शिक्षक सम्मान

शिक्षक दिवस पर मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के सानिध्य में इंदौर में हुआ भव्य सम्मान समारोह

समय जगत, बिस्टान। शिक्षाविद, ओजस्वी वक्ता, चिंतक-विचारक, लेखक एवं संपादक राजेंद्र जैन 'महावीर' को शिक्षक दिवस के अवसर पर इंदौर में स्वर्गीय प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल की षष्ठम पुण्यतिथि पर उत्कृष्ट समाजसेवी शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन द्वारा आयोजित समारोह निर्यापक मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में हुआ। श्री जैन को शाल, श्रीफल, प्रशस्ति-पत्र एवं पट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया। मुनि श्री ने उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। समारोह में फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झाझरी, देवी अहिंस्या विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राकेश सिंहई, अभ्युदय विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. स्वप्निल कोठारी, शिरोमणि संरक्षक पुष्पा कासलीवाल, महावीर ट्रस्ट इंदौर के अध्यक्ष अमित कासलीवाल,



सुमतिधाम के प्रमुख मनीष सपना गोधा, सामाजिक संसद अध्यक्ष आनंद गोधा एवं निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश निनायका, नवीन गोधा एवं अनेक पदाधिकारी व समाजजन उपस्थित रहे। संचालन प्रदीप चौधरी ने किया। फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशीष चौधरी ने बताया कि राजेंद्र जैन महावीर

ने वर्ष 2016 में मध्यप्रदेश विधानसभा के कैबिनेट कक्ष में एवं 2020 में शिक्षा नीति में बदलाव को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए थे। उन्हें अहिंसा इंटरनेशनल पुरस्कार, ज्ञान रत्न अलंकरण, वाणिमा सम्मान एवं श्रवणबेलगोला में राष्ट्रीय आदर्श जैन युवा प्रशस्ति सम्मान सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हो चुके हैं।

तेन्दुए की खाल के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

सीधी, समय जगत। राजस्व आसूचना निदेशालय की कार्रवाई के बाद वन विभाग ने एक अन्य आरोपी को भी पकड़ा है। वन मण्डल अधिकारी, सामान्य वन मण्डल सीधी ने बताया कि 5 सितंबर 2026 को राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई), भोपाल इकाई द्वारा सीधी शहर में कार्रवाई करते हुए थार वाहन से दो व्यक्तियों को एक नग तेन्दुए की खाल के साथ पकड़ा गया। वन्यजीव से संबंधित मामला होने के कारण दोनों आरोपियों को अग्रिम कार्रवाई के लिए वन विभाग, सामान्य वन मण्डल सीधी के परिक्षेत्र सीधी को सुपुर्द किया गया। पृच्छाछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि उन्होंने ग्राम धनुहीनार, पोस्ट बीरादेही, तहसील हनुमना, जिला मऊगंज स्थित क्षेत्र में तेन्दुए का शिकार किया था। आरोपियों से प्राप्त जानकारी के आधार पर वन



विभाग की टीम द्वारा परिक्षेत्र हनुमना की टीम के साथ संबंधित स्थानों पर दंभिश दी गई। कार्रवाई के दौरान एक अन्य आरोपी को पकड़ा गया तथा उसके कब्जे से तेन्दुए के शिकार में प्रयुक्त सामग्री खूंटी, तार, चाकू आदि बरामद किए गए। यह कार्रवाई ग्राम धनुहीनार, पोस्ट बीरादेई, तहसील हनुमना, जिला मऊगंज में की गई।

वन विभाग द्वारा वन अपराध प्रकरण कायम कर आरोपियों के विरुद्ध वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। आरोपियों को 6 सितंबर 2026 को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई एवं विवेचना जारी है।

समाज में पत्रकारों की है महत्वपूर्ण भूमिका : प्रभारी मंत्री

समय जगत, श्योपुर। शहर के बगवाज रोड स्थित जगन्नाथ धाम में रविवार को भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ के बैनरतले संभागीय सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि नवीन एवं नकरणीय ऊर्जा मंत्री एवं श्योपुर जिले के प्रभारी मंत्री राकेश शुक्ला ने कहा कि समाज में पत्रकारों की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। सकारात्मक सोच के साथ पत्रकार समाज को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं, उन्होंने प्रदेश के हित में सभी को मिलकर कार्य करने का आव्हान करते हुए कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में सजगता के साथ कार्य करते हुए पत्रकारिता के माध्यम से समाज में जागरूकता लाने के साथ ही विकास और जनकल्याण के कार्यों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास



कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। पत्रकार सरकार और जनता के बीच एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने प्रदेश और जिले के विकास के लिए जनप्रतिनिधियों,

प्रशासन तथा पत्रकारों को आपसी समन्वय के साथ कार्य की अपेक्षा भी की। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार सैयद अख्तर अली, गोपाल शर्मा, विष्णु चौरसिया एवं ओमप्रकाश भारद्वाज को सम्मानित किया गया।

शिक्षक ही हैं राष्ट्र के भविष्य निर्माता



महाकौशल विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न

समय जगत जबलपुर। भारत के महान शिक्षाविद एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस व शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में महाकौशल विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डा. अनिल तिवारी जी ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र के भविष्य निर्माता होते हैं। शिक्षा सिर्फ ज्ञान पाने का जरिया नहीं है, बल्कि व्यक्तित्व, चरित्र और चेतना के निर्माण का सबसे असरदार तरीका है। उन्होंने बताया कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का

जीवन और दर्शन हमें यह संदेश देता है कि एक श्रेष्ठ शिक्षक विद्यार्थियों को सिर्फ किताबी ज्ञान ही नहीं देता। वह उन्हें संस्कार, विवेक, नैतिक मूल्यों और जीवन की सही दिशा से भी जोड़ता है। उप-कुलाधिपति सौम्या तिवारी ने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। वे विद्यार्थियों को ज्ञान, संस्कार और जीवन-मूल्यों से बेहतर बनाते हैं। आज के तकनीकी युग में शिक्षक की भूमिका और भी अहम हो गई है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल तकनीक जानकारी तो दे सकती हैं, लेकिन संवेदनशीलता, नैतिकता, मानवीय मूल्यों और विवेक का विकास सिर्फ शिक्षक ही कर सकते हैं। इस मौके विश्वविद्यालय एडवाइजरी बोर्ड की संयोजक डा. प्रतिभा तिवारी जी ने शिक्षक दिवस की

अहमियत बताई और कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु का स्थान हमेशा सबसे ऊपर रहा है। शिक्षकों के योगदान को बताते हुए कहा कि एक मजबूत और विकसित समाज बनाने में शिक्षकों की भूमिका बहुत अहम है। उन्होंने सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं और उनके काम की तारीफ की। विश्वविद्यालय के कुलगुरु डा. आर सी मिश्रा ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना या रोजगार हासिल करना नहीं है। शिक्षा व्यक्ति में संस्कार, विवेक, संवेदनशीलता, नैतिकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करती है। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन और उनका शैक्षिक दर्शन इसी व्यापक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है। एक श्रेष्ठ शिक्षक विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ जीवन की चुनौतियों का सामना करने और

सही निर्णय लेने की क्षमता भी प्रदान करता है। कुलसचिव डा. राजेश तिवारी ने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी का संबंध सिर्फ कक्षा तक ही नहीं रहता। शिक्षक विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक, प्रेरणास्रोत और कई बार अभिभावक का रोल भी निभाते हैं। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों का तिलक वंदन व पूजन किया गया। इसके साथ ही विद्यार्थियों ने शिक्षकों के सम्मान के साथ-साथ उनके लिए विभिन्न मनोरंजक एवं रोचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इन प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उपहार भी जीते। कार्यक्रम ने शिक्षक-विद्यार्थी के बीच आत्मीयता और सौहार्दपूर्ण संबंधों को और मजबूत किया। रंगारंग प्रस्तुतियों और प्रतियोगिताओं ने शिक्षक दिवस के आयोजन को यादगार बना दिया।

बप्पा की आकर्षक मूर्तियां तैयार

बिस्टान ।बिस्टान नगर आगामी गणेश उत्सव के लिए नगर में तैयारी चल रही है। बप्पा की आकर्षक मूर्तियां तैयार हैं। जो भक्तों को लुभा रही है। आगामी 14 सितंबर से जिले सहित ग्रामीण क्षेत्रों में गणेश उत्सव की शुरुआत होगी। इस बार गणेश उत्सव 11 के बदले 12 दिन मनाया जाएगा। नगर में करीब 25 से अधिक स्थानों पर गणेश प्रतिमाओं की स्थापना की जाती है। व्यापारी मिथुन गुप्ता ने बताया कि इस बार गणेश जी की प्रतिमा बुरहानपुर से लाई गई है। व्यापारी कमल पाटिल ने बताया इस बार अलग-अलग रूपों के साथ पारंपरिक प्रतिमा भी शामिल है। प्रतिमाओं की ऊंचाई 1 फीट से लेकर 6 फीट तक की प्रतिमा बिक्री के लिए लाई गई है।

सांक्षिप्त समाचार

दीवटिया में भीषण सड़क हादसा, पेड़ से टकराई कार



समय जगत, औबेदुल्लागंज। नूरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम दीवटिया में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। औबेदुल्लागंज रोड पर पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है। घायल को उपचार के लिए भोपाल रेफर किया गया, जहां उसका इलाज जारी बताया जा रहा है। मृतकों की पहचान शुभम नागर, किश नागर, गौरव नागर और आशीष नागर, सभी निवासी ग्राम दीवटिया के रूप में बताई जा रही है। वहीं घायल प्रशांत नागर का भोपाल में उपचार चल रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने दुर्घटना के संबंध में जांच शुरू कर दी है। प्रथम दृष्टया तेज रफ्तार के कारण कार के अनियंत्रित होने की बात सामने आ रही है। हालांकि हादसे के वास्तविक कारणों का पता पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा।

जनपद कार्यालय नटरन के मुख्य द्वार पर लगे लापता सांसद के बैनर, खोजने वाले को 35 किलो शक्कर देने का ऐलान



नटरन। राजनीति में विरोध के तो आपने कई रंग देखे होंगे, लेकिन विदिशा जिले के नटरन में कांग्रेस ने विरोध का ऐसा मीठा और चटपटा नुस्खा आजमाया है कि देखने वाले अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे हैं। मामला जनपद पंचायत नटरन के मुख्य गेट का है, जहां रातों-रात क्षेत्र की सांसद का लापता होने का पोस्टर चप्पा कर दिया गया। इस पोस्टर के लगते ही नटरन की राजनीति में अचानक लापतागंज जैसी कॉमेडी और सस्पेंस की पेंट्री हो गई है। चाय की टपरियों पर चर्चा: दूढ़ो तो जानें! इस अनोखे पोस्टर को जिसने भी देखा, वह अपनी हंसी दबाते हुए अपनी जेब में सांसद का हुलिया ढूँढ़ने लगा। दरअसल, पोस्टर में कांग्रेस के ब्लॉक नटरन अध्यक्ष शरद शर्मा ने गंभीर मुद्दों को बड़े ही किन्मी और मजेदार अंदाज में परोसा है। पोस्टर में लिखा है कि जब किसान बाबू अनाज बेचने के लिए सोसायटियों के चक्कर काट-काटकर परेशान थे, तब सांसद लापता थीं। जब खेतों को डीपरी और यूरिया की सख्त जरूरत थी और किसान भाई लाड़नों में खड़े होकर अपनी किस्मत को कोस रहे थे, तब भी सांसद जी का नेटवर्क आउट ऑफ कदरेज परिया था। इतना ही नहीं, दाल-रोटी और तेल के बढ़ते दामों वाली महंगाई पर भी सांसद जी का मौन व्रत और क्षेत्र में किसी बड़े उद्योग की न होना, इस लापता होने की मुख्य वजह बताया गया है। 35 किलो शक्कर का महा-ऑफर! इस पूरी सियासी फिल्म का सबसे बड़ा क्लाइमैक्स पोस्टर के अंत में है। कांग्रेस ने घोषणा की है कि जो कोई भी खोजकर्ता सांसद को ढूँढ़कर लाएगा, उसे नकद इनाम नहीं, बल्कि पूरे 35 किलो शक्कर दी जाएगी! अब नटरन की जनता इस बात को लेकर हैरान है कि इस भयंकर महंगाई के दौर में 35 किलो शक्कर का यह बंपर ऑफर कहीं कोई लोटर तो नहीं? भाजपा जिला महामंत्री बलवीर रघुवंशी - फ्रयद तो केवल शुगर की राजनीति है! इधर पोस्टर क्या लगा, भाजपा खेमे में खलबली मच गई। भाजपाई गलियारों से आवाज आ रही है कि कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए वे अब शक्कर बांटकर अपनी राजनीति मीठी करने की कोशिश कर रहे हैं। उनका कहना है कि सांसद जी क्षेत्र के विकास में बिजी हैं और कांग्रेस को बस सुर्खियों में बने रहने का चरका लगा है। बहरहाल, जनपद पंचायत के गेट पर लगा यह पोस्टर इस समय पूरे क्षेत्र में टॉक ऑफ द टाउन बना हुआ है। अब देखना यह है कि यह 35 किलो शक्कर किसे मिलती है या फिर सांसद जी खुद प्रकट होकर विरोधियों की राजनीति में नमक घोलती हैं!

बिस्टान में 108 जननी एक्सप्रेस की लेट-लतीफी ने ली प्रसूता की जान, परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप
समय जगत, बिस्टान। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिस्टान में स्वास्थ्य सेवाओं की लाचारी और 108 जननी एक्सप्रेस की घोर लापरवाही के कारण एक 27 वर्षीय प्रसूता की असमय मौत हो गई। समय पर एम्बुलेंस न मिलने और प्राथमिक उपचार में हुई देरी को लेकर मृतका के परिजनों ने अस्पताल स्टाफ एवं जननी वाहन प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ब्लडिंग रुकी नहीं, 108 की खराबी बनी काल सेंधवा निवासी सेवती बाई (27) पति संजय अपने मायके दमखंडा (बिस्टान) आई हुई थीं। 12 सितंबर को प्रसव पीड़ा होने पर परिजनों ने उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिस्टान में भर्ती कराया। इयूटी पर तैनात स्टाफ नर्स नेहा कदम ने सामान्य प्रसव कराया, लेकिन दाढ़ बजे डिलीवरी के बाद महिला को अत्यधिक रक्तस्राव (रक्त रिसाव) होने लगा। गंभीर स्थिति को देखते हुए नर्स ने खरगोन जिला अस्पताल रेफर करने के लिए दोपहर 2, 45 बजे जननी एक्सप्रेस (108) को कॉल किया। करीब एक घंटे बाद दोपहर 3, 45 बजे जब वाहन पहुंचा, तो वातक ने गाड़ी में तकनीकी खराबी होने की बात कहकर ले जाने से मना कर दिया और दूसरा वाहन बुलाने को कहा। निजी गाड़ी आने तक हो चुकी थी देर 108 कॉल सेंटर पर दोबारा संपर्क करने के बावजूद कोई दूसरा वाहन नहीं पहुंचा। स्टाफ नर्स नेहा कदम का कहना है कि उस दिन बिस्टान में शिव डोले का आयोजन होने के कारण वाहन की व्यवस्था में कठिनाई आ रही थी, जिसके बाद उन्होंने खरगोन से स्वयं का निजी वाहन मगवाया।

लवकुश जयंती पर आयोजित शोभा यात्रा में शामिल हुए राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल

समय जगत, बरेली।

रविवार को लव कुश जयंती के अवसर पर कुशवाहा समाज द्वारा भव्य रैली निकाली गई। जो कि नगर के नरसिंह टेकरी से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुए शिवा गार्डन पहुंची जहां यात्रा का समापन हुआ। नगर में यात्रा का भव्य स्वागत किया गया जिसमें होली चौक शिव मंदिर समिति, खेड़पति माता मंदिर समिति, शक्ति धाम दुर्गा मंदिर समिति, बरेली हिन्दू उत्सव समिति, संकट मोचन हनुमान मंदिर, काली मंदिर समिति, शिव अखाड़ा व्यायाम शाला प्रेम नगर कॉलोनी, एवं व्यापारी महासंघ एवं अन्य नगर की सामाजिक धार्मिक संस्थाओं द्वारा स्वागत



किया गया।

वहीं पूर्व कांग्रेस विधायक देवेंद्र पटेल ने हाई सेकेण्डरी स्कूल के सामने स्वागत किया एवं नगर परिषद के अध्यक्ष हेमंत राजा भैया चौधरी ने दीनदयाल परिसर पर पार्षदों, कर्मचारियों एवं नगर के गणमान्य नागरिकों ने मिलकर शोभायात्रा का स्वागत किया। लवकुश जयंती के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक राज्य मंत्री

नरेंद्र शिवाजी पटेल एवं विशेष अतिथि नगर परिषद अध्यक्ष हेमंत राजा भैया चौधरी रहे।

कुशवाहा समाज जिला अध्यक्ष कन्हैया लाल कुशवाहा, पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र भाई, उमराव प्रसाद कुशवाहा, बलराम पटेल, राजेंद्र कुशवाहा, लालजी राम कुशवाहा, राम भरोसे कुशवाहा, प्रेम कुशवाहा प्रवीण कुशवाहा, सहित समाज के वरिष्ठ जनों की मंचीय उपस्थिति रही। कुशवाहा समाज के युवा संगठन द्वारा मंत्री पटेल का 11 किलो फूलों की माला से भव्य स्वागत किया। युवा टीम में सचिन कुशवाहा, विक्की कुशवाहा, धर्मेन्द्र, माखन, मनोराम, कमल, बबलू, लखन, नरेंद्र, मुकेश, कृष्णा, बृजेश, दीलत कुशवाहा एवं अन्य युवाओं की सक्रिय सहभागिता रही।

अर्जुन कान्वेंट स्कूल में हुआ ‘सिद्ध गणेश-माटी गणेश’ कार्यक्रम

70 बालक-बालिकाओं ने मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाने का लिया प्रशिक्षण, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

समय जगत, बोड़। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड नरसिंहगढ़ द्वारा बोड़। सेक्टर के अर्जुन कान्वेंट स्कूल में पर्यावरण संरक्षण एवं मिट्टी से गणेश प्रतिमा निर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ‘सिद्ध गणेश-माटी गणेश’ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नवांकुर, सखी सहित विद्यालय के करीब 70 बालक-बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाने की विधि का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही मिट्टी की प्रतिमाओं के उपयोग से पर्यावरण



संरक्षण का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि प्लास्टर ऑफ पेरिस की प्रतिमाओं को अपेक्षा मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमाएं ही मिट्टी की प्रतिमाओं के उपयोग से पर्यावरण

आयोजनों से विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता के साथ भारतीय कला एवं संस्कृति के प्रति रुचि भी विकसित होती है। कार्यक्रम में नगर विकास प्रस्पेकुटन समिति के

पदाधिकारी, बोड़। सेक्टर के सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राएं, नवांकुर एवं अंकुर सखी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं समाजसेवी कार्यकर्ता उपस्थित

रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यस्व विभाग के अंबाराम पटवारी रहे। इस अवसर पर जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक खजान सिंह ठाकुर, स्कूल संचालक ठाकुर प्रहलाद सिंह राठौड़, सेक्टर प्रभारी एवं परामर्शदाता नटवर सिंह शाकावत, मूर्तिकार प्रशिक्षक रमेश चंद्र प्रजापति, विद्यालय प्रबंधक राकेश सिंह राजपूत, धर्मेन्द्र शर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं अंत में सभी अतिथियों और सहभागियों का आभार नटवर सिंह बना द्वारा व्यक्त किया गया।

जिला साहू समाज समिति रायसेन द्वारा सामाजिक शिक्षकों का सम्मान समारोह किया गया आयोजित

समय जगत, सिलवानी। शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर तैलक साहू समाज समिति रायसेन के शिक्षक प्रकोष्ठ द्वारा तहसील बन्हरी में सामाजिक शिक्षकों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों को शाल, श्रीफल एवं प्रमाण-पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन शिक्षक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष कोठारी राजेश साहू जी सानिध्य में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में युवा जिला अध्यक्ष कोठारी शिवकुमार साहू, जिला किसान प्रकोष्ठ अध्यक्ष गोविंद प्रसाद साहू, तहसील अध्यक्ष रेवामरा साहू,



युवा जिला महामंत्री राजेश साहू, नगर अध्यक्ष बन्हरी रामबाबू साहू एवं नगर उपाध्यक्ष बन्हरी ठाकुरदास साहू उपस्थित रहे। इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षक अयोध्याप्रसाद साहू, सेवानिवृत्त शिक्षक मीरा भाई साहू, शिक्षक पुरुषोत्तम साहू, शिक्षिका गीता साहू, प्रियंका साहू, मोहनी साहू,

प्रियंका साहू एवं कुमारी शिखा साहू सहित सामाजिक शिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके ज्ञान, संस्कार और मार्गदर्शन से नई पीढ़ी को दिशा मिलती है। समाज के शिक्षकों का सम्मान करना उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। समारोह में समाज के वरिष्ठजन एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा शिक्षकों के योगदान को सम्मानित करना रहा।

सोनपूरा नदी में कथित अवैध उत्खनन, जिम्मेदारों द्वारा तत्परतापूर्वक ध्यान देने की है दरकार

मोरगढ़ी रोड पर चल रही थी गतिविधि, मोके पर पहुंची मीडिया, पुख्ता साक्ष्य होने का दावा, अब कार्रवाई पर टिकी निगाहें

समय जगत, खिरकिया। मोरगढ़ी रोड स्थित सोनपूरा नदी में कथित रूप से अवैध रेत बजरी खनिज उत्खनन किए जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नदी क्षेत्र में ट्रालियों के माध्यम से उत्खनित सामग्री का परिवहन किया जा रहा था। मामले की सूचना मिलने के बाद मीडिया मौके पर पहुंची, जहां गतिविधियों को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। सूत्रों का दावा है कि उक्त स्थान पर ठेकदार गोरीशंकर केवट से जुड़ी ट्रालियां संचालित हो रही थीं। हालांकि, इस संबंध में संबंधित ठेकदार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आया

है। ऐसे में पूरे मामले की वास्तविकता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। **मीडिया के पास बताए जा रहे हैं साक्ष्य** मामले को लेकर मीडिया के पास मौके से संबंधित फोटो एवं अन्य साक्ष्य मौजूद होने की बात सामने आई है। यदि नदी क्षेत्र में बिना वैध अनुमति अथवा निर्धारित सीमा से बाहर जाकर खनन किया गया है, तो यह जांच का गंभीर विषय माना जा सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नदी और उसके आसपास होने वाले लेन-देन कार्यों की नियमित निगरानी जरूरी है, ताकि नियमों का उल्लंघन होने पर तत्काल रोक लगाई जा सके। वहीं यह भी जांच का



विषय है कि मौके पर संचालित ट्रालियों के पास खनिज परिवहन से संबंधित आवश्यक दस्तावेज और

वैध अनुमति मौजूद थी या नहीं। **क्या जिम्मेदार विभाग करेगा स्थल निरीक्षण?** अब सबसे बड़ा

सवाल यह है कि मामले की सूचना सामने आने के बाद संबंधित खनिज विभाग और प्रशासन द्वारा सोनपूरा नदी क्षेत्र का स्थल निरीक्षण किया जाएगा या नहीं। यदि मौके पर अवैध उत्खनन की पुष्टि होती है तो नियमानुसार जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की उम्मीद है। खनन से जुड़े मामलों में केवल वाहन पकड़ने अथवा जुर्माना लगाने तक कार्रवाई सीमित न रहकर यह भी जांच जरूरी है कि उत्खनन किस क्षेत्र से हुआ, कितनी मात्रा में सामग्री निकाली गई, परिवहन किसके द्वारा किया गया और संबंधित गतिविधि के लिए वैध अनुमति थी या नहीं। सोनपूरा

नदी में सामने आए इस मामले ने खनिज विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जिम्मेदार अधिकारी मौके की जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाते हैं या मामला महज सूचना और आरोपों तक ही सीमित रह जाता है। जिम्मेदार विभाग से अपेक्षा है कि वह निष्पक्ष जांच कर वास्तविकता सामने लाए और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करे। इस सम्बन्ध में कलेक्टर सिद्धार्थ जैन से पक्ष जानना चाहा लेकिन उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया।



देश में सुपोषण के प्रति जागरुकता है जरूरी

देश में सुपोषण बड़ी मुद्दा है। हमारे देश में प्रत्येक वर्ष 1 से 7 सितंबर तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है। शारीरिक विकास के लिए संतुलित आहार और उचित पोषण हर किसी के लिए बहुत आवश्यक है, फिर चाहे वह कोई बच्चा हो, बुजुर्ग हो या महिलाएं। हमें यह याद रखना चाहिए कि पोषण केवल स्वास्थ्य का ही विषय नहीं, बल्कि देश के भविष्य से जुड़ा राष्ट्रीय दायित्व है। इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य आमजन को संतुलित आहार, उचित पोषण, कुपोषण की रोकथाम और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। वास्तव में, यह सप्ताह हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र का निर्माण केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि स्वस्थ नागरिकों से होता है। कहना गुलत नहीं होगा कि पोषण हमारे शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास का आधार है। शरीर को ऊर्जा देने, रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, बच्चों के विकास तथा कार्यक्षमता बनाए रखने के लिए पर्याप्त और संतुलित पोषण आवश्यक है। विशेष रूप से बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए उचित पोषण अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमारे देश में बच्चों में कुपोषण की स्थिति अब भी गंभीर चिंता का विषय है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (एनएफएचएस-5) के अनुसार, पांच वर्ष से कम आयु के 35.5 प्रतिशत बच्चे डिनापेन से, 19.3 प्रतिशत बच्चे दुबलेपन/वेस्टिंग से और 32.1 प्रतिशत बच्चे कम वजन (अंडरेवेट) की समस्या से प्रभावित हैं। इनमें 7.7 प्रतिशत बच्चे गंभीर वेस्टिंग से प्रभावित हैं। यूनिसेफ के 2025 के भारत संबंधी पोषण विवरण में भी लगभग 36 प्रतिशत बच्चों में बौनापन और 19 प्रतिशत में वेस्टिंग यानी कि लंबाई के अनुपात में वजन कम का उल्लेख किया गया है। यूनिसेफ के ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि कुपोषण केवल बच्चों के शारीरिक विकास को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि उनकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता, सीखने की क्षमता और भविष्य की उत्पादकता पर भी दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकता है। वास्तव में हमारे देश में पोषण और संतुलित आहार की कमी के गंड़े मुख्य कारण क्या हैं? कुपोषण के कारण बच्चों में वेस्टिंग (कम वजन), स्टंटिंग (कम लंबाई) और कम वजन जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं। इसलिए बच्चों के लिए पौष्टिक, विविधतापूर्ण और संतुलित आहार सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही लोगों में सुपोषण के प्रति व्यापक जागरुकता भी जरूरी है।

वर्तमान को जीना भी है एक कला

भविष्य में मार्ग में आगे आने वाले और ज्यादा खूबसूरत फूलों की संभावना के कारण वर्तमान खूबसूरत फूलों की उपेक्षा करना किसी भी तरह से उचित नहीं। वर्तमान निश्चित है, जबकि भविष्य अनिश्चित। कल भी ये खूबसूरत फूल हमारी आंखों के सामने फिरे हुए होंगे, इस बात की कोई गारंटी नहीं दे सकता। कुछ लोग अपने जीवन में इस बात को लेकर बड़े निराश होते रहते हैं कि वे बहुत-सी चीजों, बातों अथवा जानकारी से वंचित रह गए। उनका मानना होता है कि वे अपने जीवन को और अधिक अच्छ बना सकते थे। अधिक पुस्तकें पढ़ सकते थे अथवा सत्संग आदि में अधिक समय व्यतीत कर सकते थे। अधिक योग्य, ज्ञानवान अथवा धार्मिक हो सकते थे। अधिक लोगों से मिलजोल बढ़कर अपना सामाजिक दायरा अधिक विस्तृत कर सकते थे। तात्पर्य यही है कि समय का और अधिक अच्छ उपयोग कर सकते थे। यदि हम जीवन में बहुत-सी चीजों, बातों अथवा जानकारी से वंचित भी रह गए तो भी हमें मायूस होने की जरूरत नहीं, क्योंकि वास्तविकता यही है कि हमारी सीमाएं अवश्य होती हैं। वास्तव में जो नहीं किया या नहीं हो सका, उस पर ध्यान देने के बजाय हमें अपना सारा ध्यान इस बात पर केंद्रित करना चाहिए कि हमें आगे क्या करना है और कैसे करना है? आज तक हमने जो भी किया है, अपनी क्षमता और योग्यता के अनुसार अच्छ ही किया है, इस बात को मन में रखें और आज तक जो भी प्राप्त किया है, उसका पूरा-पूरा उपयोग अपने और समाज के हित में करें। यदि हम अपने अत्यंत ज्ञान अथवा कुशलताओं के बल पर एक बेहतर संतुलित जीवन व्यतीत कर रहे हैं और हमारे कारण समाज का अहित नहीं, कुछ न कुछ हित ही हो रहा है तो ये भी बहुत बड़ी बात है। समाज के समग्र विकास के लिए हर तरह के ज्ञान व कुशलताओं की ही नहीं, हर तरह की चीजों व हर तरह के लोगों की भी आवश्यकता होती है। बड़ी-बड़ी मशीनें जितनी महत्वपूर्ण होती हैं, उतनी ही महत्वपूर्ण होती हैं सामान्य उपयोग की छोटी-मोटी वस्तुएं भी। यदि फिर भी हमें लगता है कि हम सचमुच बहुत अच्छ नहीं कर पाए हैं तो हमें पता चलना भी हमारे पूर्व में संचित ज्ञान और अनुभवों का ही परिणाम है, जो अपने आप में एक उपलब्धि ही है। यह हमें हमारे जीवन के शेषांश के लिए सही स्थितियों का चुनाव करने में सहायक होगा।

वैसे भी ज्ञान-विज्ञान अथवा सीखने की कोई सीमा नहीं। ज्ञान-विज्ञान के मुकाबले में मनुष्य के सीखने का काल अथवा उसकी जीवनवधि अत्यंत अल्प है। अपने पूरे एक जीवन में इस ब्रह्मांड के अथाह समुद्र रूपी ज्ञान की एक बूंद मात्र भी हम पूरी तरह से नहीं सीख सकते। संपूर्ण ज्ञान की बात करना ही निरर्थक होगा। यहां आकर हम डूब में फंस जाते हैं कि हम क्या सीखें और क्या न सीखें? क्या हम यूं ही जीवन को गुजार दें? नहीं। जीवन को हमें एक अच्छे तरीके से जीने का भरपूर प्रयास करना चाहिए। जीवन को चलाने के लिए कुछ व्यावहारिक व कुछ विशिष्ट ज्ञान की आवश्यकता पड़ती है। जीवन में कहीं विशेष सिद्धांतों का पालन करना अनिवार्य होता है तो कहीं व्यावहारिक पक्ष को देखना। एक प्रतिष्ठित विद्वान प्रोफेसर व एक अनपढ़ नाविक की कथा तो आपने सुनी ही होगी। एक बार एक प्रोफेसर समुद्री जहाज से यात्रा कर रहे थे। वहां उनकी दोस्ती एक नाविक से हो गई। एक दिन विद्वान प्रोफेसर ने नाविक से पूछा, ‘क्या तुमने दर्शन शास्त्र पढ़ा है?’ नाविक ने नकारात्मक मुद्रा में सिर हिलाते हुए कहा, ‘नहीं।’ इस पर प्रोफेसर ने नाविक से कहा कि दर्शन शास्त्र न पढ़कर उसने अपनी ज़िंदगी का चौथाई भाग व्यर्थ कर डाला है। अगले दिन विद्वान प्रोफेसर ने नाविक से फिर पूछा, ‘क्या तुमने साहित्य का अध्ययन किया है?’ इस बार फिर नाविक ने नकारात्मक मुद्रा में सिर हिलाते हुए कहा, ‘नहीं, मुझे तो पता ही नहीं साहित्य क्या होता है।’ इस पर प्रोफेसर ने नाविक से कहा, ‘यदि तुमने साहित्य का अध्ययन नहीं किया है तो तुमने अपनी ज़िंदगी का आधा भाग व्यर्थ कर डाला है।’

प्रोफेसर और नाविक के मध्य वातावरण चल ही रहा था कि तभी समुद्र में तूफान आ गया और ऊंची-ऊंची लहरें उठने लगीं। जहाज बुरी तरह से हिलने लगा। तूफान के शोर में एक-दूसरे की आवाज तक नहीं सुनाई पड़रही थी। तभी नाविक ने चिल्लाकर प्रोफेसर से पूछा, ‘प्रोफेसर साहब, क्या आपको तैरना आता है?’ प्रोफेसर ने कहा कि उसे तैरना नहीं आता। इस पर नाविक ने कहा, ‘प्रोफेसर साहब, आपने तो अपनी पूरी ज़िंदगी ही व्यर्थ कर डाली है। अभी जहाज डूबने वाला है और जिस तैरना आता है, उसी के बच निकलने की संभावना है।’ यह कहकर नाविक अपनी जान बचाने के लिए समुद्र में कूद गया। संदेश स्पष्ट है। जीवन में जितना महत्व विशिष्ट ज्ञान का है, उससे अधिक महत्व सामान्य व्यावहारिक ज्ञान व कुशलताओं का भी है। हम जीवन में सहजता-सरलता की उपेक्षा कर ही नहीं सकते। डिज़रायली का एक कथन है कि हमें दुनिया की सारी चीजों के बारे में पढ़ना और कुछ एक के बारे में सब कुछ सीखने की कोशिश करनी चाहिए। हम दुनिया की विपन्न चीजों के बारे में सब कुछ नहीं सीख सकते। लेकिन कुछ भी न सीखना भी ठीक नहीं। जब हमें इस संसार में रहना है तो इस संसार की व्यावहारिकता को भी जानना ही चाहिए, अन्यथा जीवन संकट में पड़ जाएगा। हम चौबीसों घंटे पूरी दुनिया का नक्शा अपने दिमाग में न रखें, लेकिन जिज्ञास रास्ते से भी गुजरे, विशेष रूप से उसका नक्शा जरूर अपने दिमाग में रखें। जीवन-यात्रा में जहां भी खूबसूरत फूल खिले मिलें, उनसे अवश्य आनंदित हों।

बंगाल में भारतीय शिक्षा-दृष्टि को बल देने की अनुकरणीय घोषणा

नजरिया

पश्चिम बंगाल में शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की ओर से राष्ट्रीय स्तरसंवेक संघ के प्रमुख शैक्षणिक प्रकल्प विद्या भारती के कम से कम एक हजार नए विद्यालय स्थापित करने का लक्ष्य केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की घोषणा नहीं है, बल्कि इसे राज्य की शिक्षा-दृष्टि में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। 4 सितंबर 2026 को सामने आई इस घोषणा के अनुसार अगले एक वर्ष में राज्य के प्रत्येक जिले, नगरपालिका और

वित्त द्वारा भारती के अपने उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उसका नेटवर्क देशभर में 12,500 से अधिक विद्यालयों तक फैला हुआ है और इनमें 35 लाख से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उसके विद्यालय पूर्व-प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्रदान करते हैं तथा खेल, संगीत, कला, विज्ञान, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे क्षेत्रों को भी शिक्षा का हिस्सा मानते हैं। हाल के समाचारों में देशभर में 12,000 से अधिक विद्यालयों और लगभग 10,000 बाल संस्कार केंद्रों का उल्लेख भी हुआ है। आंकड़ों में अंतर अलग-अलग वर्षों और संस्थागत गणना-पद्धतियों के कारण हो सकता है, लेकिन इससे विद्या भारती के व्यापक शैक्षिक विस्तार की तस्वीर स्पष्ट होती है।

विद्या भारती की विशेषता केवल यह नहीं है कि वह विद्यालयों की एक बड़ी शृंखला संचालित करती है। उसकी मूल अवधारणा शिक्षा को ज्ञान, संस्कार, चरित्र, राष्ट्रबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने की है। संस्था स्वयं अपने उद्देश्य में भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रभाषा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी को प्रमुखता देती है। ग्रामीण, जनजातीय, सीमावर्ती और अपेक्षाकृत वंचित क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार भी उसके घोषित उद्देश्यों का हिस्सा है। यहीं से पश्चिम बंगाल की नई पहल का व्यापक महत्व सामने आता है। बंगाल भारत की सांस्कृतिक चेतना का एक अत्यंत समृद्ध केंद्र रहा है। रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, रवींद्रनाथ ठाकुर, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय और अनेक महापुरुषों ने भारतीय चिंतन, शिक्षा, साहित्य और राष्ट्रचेतना को नई दिशा दी। इसलिए बंगाल की शिक्षा व्यवस्था में भारतीय ज्ञान, संस्कृति, मातृभाषा, स्थानीय इतिहास और राष्ट्रीय दायित्व को उचित स्थान देना किसी राजनीतिक आग्रह से अधिक व्यापक सांस्कृतिक आवश्यकता के रूप में देखा जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इसी दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रावधान करती है। नीति का उद्देश्य विद्यार्थी में भारतीय होने के प्रति गहरी आत्मगौरव भावना विकसित करने के साथ ज्ञान, कौशल, मूल्यों और जिम्मेदार नागरिकता का विकास करना है। विशेष रूप से उल्लेखनीय यह है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा से जोड़ने की बात करती

शैक्षणिक व्यवस्था सुदृढ़ बनाने में शिक्षकों की बड़ी भूमिका

मौ अविजित पाठक जुदा शिक्षा व्यवस्था की स्थिति व शैक्षणिक संस्थानों के लगातार ह्रास का अन्तर छात्रों पर पड़ रहा है। इस दौर में युवा पीढ़ी जिस तनाव से गुजर रही है, वह चिंताजनक है। छात्रों में बढ़ते तनाव, आत्महत्याएं, सरकारी स्कूलों की बदहाली, कोचिंग का फैलाता जाल, अकादमिक आजादी पर संकट और शिक्षा का बाज़ारीकरण गंभीर जागरिम हैं। सकारात्मक यह कि छात्र आवाज बुलंद कर रहे हैं। बेहतर होगा शिक्षक भी आगे आएँ यह कहने में मुझे (लेखक को) कोई संकोच नहीं कि जब छात्र शिक्षक दिवस पर शुभकामनाएं भेजते हैं, तो साथ मिलकर किए गए काम और क्रमिक विकास के उन खूबसूरत दिनों को याद करके खुशी महसूस होती है। बहुत आभार के साथ उन महान शिक्षाविदों को भी याद करता हूँ जिनके प्रभाव ने पढ़ाने के मेरे तौर-तरीके को स्वरूप दिया।

निस्संदेह, डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का स्मरण होता है- उनकी विद्वता और दार्शनिक सोच का। सावित्रीबाई फुले भी जेहन में आते हैं-हमारे पुरुष प्रधान और जाति-व्यवस्था वाले समाज में दबे-कुचले व हाशिए पर पड़े लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए उनकी हिम्मत और समर्पण के लिए। लेखक के मुताबिक, ‘अपने ढंग से मैं पाठोले फ़रे और बेल हक्कस जैसे लोगों के विचारों से जुड़ा- मुक्त विचारयुक्त शिक्षा की भावना, जिसने हमें प्रेरित किया; या मुझे रवींद्रनाथ टैगोर का काव्यात्मक रचना ‘ए पोएट्स स्कूल’, जिहू कृष्णमूर्ति की किताब ‘स्कूल विदाउट फियर’ और गिज़ुभाई बंधेका के अद्भुत शिक्षण प्रयोग-जिसका जर्कि उनकी किताब ‘दिवास्वन’ में है-इनसे पुनः प्रेरित होना मुझे पसंद है। खुशी है कि किसी सत्ता के लालच ने नहीं, बल्कि सीखने, भूलने व अध्यापन के आनंद ने मेरी नियति को आकार दिया।’ तथापि, लेखक स्वीकार करते हैं कि मौजूदा कठिन दौर में, उन्हें कुछ बेचैनी महसूस होने लगी है। उनके मुताबिक, ‘क्या मैं सच में उस स्थिति में खुश हो सकता हूँ और शिक्षक दिवस मना सकता हूँ, जब हमारे शैक्षणिक संस्थानों की हालत बद से बदतर होते पाठों और अपने छात्रों का दुःख महसूस करूँ? क्या अब इस दिन को मनाने की कोई वजह बची है?’ असंतुष्ट छात्रों की इस पीढ़ी के संत्रास के बारे में सोचिए। हां, उनमें अपने भविष्य को लेकर अनिश्चितता है; और तनाव एवं बेचैनी से त्रस्त हैं। चाहे कोई अत्यंत कुलीन विद्यालय का छात्र हो या किसी छोटे शहर का वह युवा जो मानव बना दिए गए ‘नीट’ जैसी अहम कठिन परीक्षा की तैयारी कर रहा हो, इस पीढ़ी का तनाव वाकई चिंता की बात है। जब यह लेख लिखा जा रहा है तो आईआईटी-दिल्ली में एम्पएसके के एक छात्र की खुदकुशी की खबर आई और इस दुखद घटना पर प्रशासन के लापरवाही और अफसरशाही भरे रवैये के कारण वहां तनाव का



है। इसमें भारतीय ज्ञान प्रणालियों, जनजातीय ज्ञान, पारंपरिक सीखने की पद्धतियों, योग, दर्शन, साहित्य, कृषि, वास्तुकला, चिकित्सा, खेल और अन्य भारतीय योगदानों को वैज्ञानिक एवं प्रमाणिक ढंग से पाठ्यक्रम में स्थान देने की बात कही गई है। नीति यह भी कहती है कि पाठ्यचर्या भारतीय और स्थानीय संदर्भ, संस्कृति, परंपरा, भाषा, भूगोल तथा ज्ञान-परंपराओं से जुड़ी होनी चाहिए। इस दृष्टि से देखें तो विद्या भारती का शैक्षिक प्रयोग और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनेक लक्ष्य एक-दूसरे के पूरक दिखाई देते हैं। अंतर यह है कि नीति एक राष्ट्रीय नीति-ढांचा उपलब्ध कराती है, जबकि विद्या भारती जैसा सामाजिक संगठन लंबे समय से विद्यालय स्तर पर मूल्याधारित शिक्षा का अपना प्रयोग करता आया है। इसलिए यदि पश्चिम बंगाल सरकार इस विस्तार को गुणवत्तापूर्ण शिक्षक प्रशिक्षण, आधुनिक विज्ञान, तकनीक, डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और संवैधानिक मूल्यों के साथ जोड़ती है तो इसका प्रभाव केवल नए विद्यालय खोलने तक सीमित नहीं रहेगा।

विद्यालय खोलना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन अच्छे शिक्षक, प्रशिक्षित प्रधानाचार्य, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, खेल सुविधाएं, डिजिटल संसाधन और गुणवत्तापूर्ण पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराना कहीं अधिक कठिन कार्य है। इसलिए इस पहल की सफलता संख्या से

पंचायत तक विद्या भारती के विद्यालयों का विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में पश्चिम बंगाल में विद्या भारती से जुड़े 313 विद्यालय संचालित होने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने विद्या भारती के नेतृत्व को राज्य सचिवालय में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इस योजना को आगे बढ़ाने का मी निमंत्रण दिया है। यह घोषणा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विद्या भारती आज देश के सबसे बड़े स्वैच्छिक शिक्षा-उपक्रमों में से एक है।

नहीं, शिक्षा की गुणवत्ता से मापी जानी चाहिए। यदि नए विद्यालय केवल भवन बनकर रह गए तो लक्ष्य अधूरा होगा; यदि वे अच्छे शिक्षक और अच्छे नागरिक बनाने के केंद्र बनते हैं, तभी यह पहल ऐतिहासिक सिद्ध होगी। यही स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। देश के अनेक सरकारी विद्यालय संसाधनों की कमी, शिक्षक-अभाव, आधारभूत सुविधाओं की कमजोरी, तकनीकी पिछड़ेपन और स्थानीय सहभागिता की कमी जैसी समस्याओं से जूझते रहे हैं। सरकार अकेले प्रत्येक विद्यालय की हर आवश्यकता पूरी करे, यह व्यावहारिक रूप से कठिन है। ऐसे में सामाजिक और स्वयंसेवी संस्थाओं को सरकार के

प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी के रूप में देखा जाना चाहिए। विद्या भारती के विस्तार के साथ यह सहयोग एक नया मॉडल विकसित कर सकता है-सरकार आधारभूत संरचना और नियामक सहयोग दे, स्वयंसेवी संगठन शैक्षिक नवाचार, शिक्षक प्रशिक्षण, सामुदायिक भागीदारी और मूल्याधारित कार्यक्रमों में योगदान करें तथा स्थानीय समाज विद्यालय को अपना संस्थान समझकर उसके विकास में सहभागी बने। विद्या भारती के विस्तार के साथ यदि व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण अभियान चलाया जाए, जिसमें भारतीय दर्शन के साथ आधुनिक शिक्षाशास्त्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, मनोविज्ञान, कौशल शिक्षा और नई मूल्यांकन पद्धतियां शामिल हों, तो यह पूरे देश के लिए अनुकरणीय मॉडल बन सकता है।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मुर्शिदाबाद और दक्षिण 24 परगना जैसे क्षेत्रों में विशेष विस्तार की बात भी कही है और वहां ग्रह-विरोधी गतिविधियों को लेकर चिंता व्यक्त की है। इन राजनीतिक आरोपों से अलग शिक्षा की दृष्टि से मूल प्रश्न यह है कि संवेदनशील और सामाजिक रूप से विविध क्षेत्रों में विद्यालय नागरिकता-बोध, संवैधानिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता, वैज्ञानिक सोच और राष्ट्रीय एकता को कितना मजबूत कर सकते हैं। शिक्षा का सर्वोत्तम उत्तर किसी समुदाय के विरुद्ध अविश्वास पैदा करना नहीं, बल्कि

हर बच्चे में जिम्मेदार और जागरूक भारतीय नागरिकता का निर्माण करना है। वंदे मातरम, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभावना जैसे विषयों को लेकर मुख्यमंत्री के वक्तव्य ने बहस को राजनीतिक आयाम जरूर दिया है। लेकिन दीर्घकालीन दृष्टि से आवश्यकता ऐसी शिक्षा की है जिसमें राष्ट्रभ्रम स्वाभाविक संस्कार बने, आदेश या भय का विषय नहीं। पश्चिम बंगाल की यह पहल इसलिए संपूर्ण राष्ट्र के लिए भी एक महत्वपूर्ण सबक या प्रेरणा है कि शिक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। सरकार, समाज, अभिभावक, शिक्षक, उद्योग, स्वयंसेवी संस्थाएं और पूर्व विद्यार्थी-सभी मिलकर शिक्षा का नया सामाजिक तंत्र बना सकते हैं। यदि विद्या भारती के पास संगठनात्मक अनुभव है, सरकार के पास संसाधन और नीतिगत शक्ति है तथा समाज के पास सहभागिता की क्षमता है, तो इन तीनों का समन्वय शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। आज भारत को ऐसी शिक्षा चाहिए जो आधुनिक भी हो और अपनी जड़ों से जुड़ी हुई भी; वैज्ञानिक भी हो और संस्कारवान भी; रोजगारपरक भी हो और चरित्रनिर्माणकारी भी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इसके लिए नीतिगत दिशा दी है। अब आवश्यकता है कि विभिन्न राज्य और सामाजिक संगठन अपने-अपने स्तर पर इसके प्रभावी प्रयोग प्रस्तुत करें। पश्चिम बंगाल में विद्या भारती के एक हजार नए विद्यालयों का लक्ष्य इसी संदर्भ में एक प्रयोगशाला बन सकता है। शुभेंदु अधिकारी की घोषणा इसलिए बधाई के योग्य है कि इसने शिक्षा को राजनीतिक विमर्श से आगे बढ़ाकर शिक्षात्मिक सहभागिता और भारतीय शिक्षा-दृष्टि के विमर्श के केंद्र में ला दिया है। अब असली परीक्षा घोषणा की नहीं, उसके क्रियाव्यवन की है। यदि एक वर्ष में विद्यालयों की संख्या बढ़ाने के साथ शिक्षक की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता, आधुनिक विज्ञान, तकनीकी दक्षता, भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिकता, संवैधानिक चेतना और सामाजिक समरसता को समान महत्व दिया गया, तो बंगाल का यह प्रयोग केवल बंगाल का नहीं रहेगा। यह भारत को यह संदेश दे सकता है कि शिक्षा व्यवस्था को बदलने के लिए केवल नई इमारतें नहीं, नई दृष्टि और समाज की सक्रिय सहभागिता भी आवश्यक है। और शायद यही आज के भारत की सबसे बड़ी शैक्षिक आवश्यकता है-‘ज्ञान आधुनिक हो, दृष्टि वैज्ञानिक हो, चरित्र भारतीय हो और शिक्षा का अंतिम लक्ष्य राष्ट्र एवं मानवता का कल्याण हो।’

शिक्षा व्यवस्था को चाहिए नैतिक आधार

जगमोहन सिंह राजपूत
आजदी के पहले के तीन दशक तक किसी परीक्षार्थी का पेपर लीक या सॉल्वर जैसे शब्दों से कोई परिचय नहीं था, लेकिन आज पेपर लीक को झेलना युवाओं की नियति बन गया है। ऐसी स्थितियों को निर्मित करनेवाले अपराधी पड़े-लिखे ही होते हैं। वे व्यवस्था को जानते हैं और उसे चलाने वालों को चिह्नित कर उन्हें भी अपने में शामिल कर लेते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि शिक्षा संस्थाएं और व्यवस्था उस सर्वकालिक मूल्यबोध से कितनी दूर नहीं हो गई हैं, जिसमें उनका उद्देश्य ‘व्यक्ति से व्यक्तित्व’ निर्माण होता है। यदि इसे बदलना है तो शिक्षा व्यवस्था के बाहर के परिदृश्य पर भी निगाह डालनी होगी और उसका विश्लेषण करना होगा। द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के पश्चात कहा गया कि भविष्य के साम्राज्य ज्ञान के साम्राज्य होंगे। हालांकि भारत इसे बहुत पहले समझ चुका था कि ज्ञान से पवित्र और कुछ भी नहीं है। प्राचीन भारत के मनीषी इसे समझते थे। उनकी ज्ञान साधना का लक्ष्य सत्य की खोज और ‘सर्वभूत हिरे रतः’ के दर्शन को व्यावहारिकता प्रदान करना था। इसके लिए विद्या-अध्ययन के श्रेष्ठ संस्थान स्थापित किए गए, गुणवत्ता एवं प्रतिभा को उचित अवसर देकर और उसका समुचित संवरण कर भारत ने अपनी ज्ञान-श्रेष्ठता को वैश्विक स्वीकार्यता दिलाई।

आज आधुनिक विज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान अर्जन की जो तेजी आई है, उसमें और प्राचीन भारतीय ज्ञान अर्जन परंपरा में बहुत बड़ा अंतर है। आज मशीन-तत्व, प्रतिस्पर्धा तथा सामरिक उपयोगिता प्राथमिकता पा रहे हैं। वैसे यह अब स्थापित हो चुका है कि ज्ञान के साथ बुद्धि, विवेक और मानवीय संवेदना का पूर्ण-रूपण समन्वय परम आवश्यक है। यह भारत का नैतिक उत्तरदायित्व है कि वह सहिष्णुता के अपने विचार को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करे, लेकिन भारत इसका निर्वाह तभी कर सकेगा जब उसकी शिक्षा व्यवस्था और उसका प्रबंधन अनुकरणीय स्तर पर आ सके। चिंता की बात है कि आज ऐसा नहीं दिखाई देता है। विश्व के जिन देशों के लिए भारत केवल एक बाजार है, वे भारत को रास्ता नहीं दिखा सकते। भारत भी पश्चिमी देशों की नकल करके यदि अपनी शिक्षा की विषयवस्तु तैयार करता है तो वह केवल डिग्री ही दे सकता है, भारतीयता नहीं। कृत्रिम भेद्यता यानी एआइ शिक्षा और उसके प्रबंधन को नए-नए स्तरों पर ले जा रही है। भारत को भी उसमें अग्रणी होना होगा। मगर भारतीय तत्व उसमें खो न जाए, इसका ध्यान भी रखना होगा। विश्व में मान-सम्मान और प्रतिष्ठ उसी देश को प्राप्त हो सकेगी, जिसकी शिक्षा व्यवस्था गुणवत्ता, उच्चकृता और मानवीय तत्व से परिपूर्ण होगी। भारत की वर्तमान शिक्षा नीति में ऐसे तत्व उपलब्ध हैं, जो उसे भविष्योन्मुखी बना सकते हैं, लेकिन इसके लिए हर स्तर पर अकादमिक नेतृत्व की उपस्थिति आवश्यक है। पिछली सदी के सातवें-आठवें दशक तक देश की शिक्षा संस्थाओं का नेतृत्व नौकरशाहों के हाथ में नहीं था। विडंबना यह है कि आज राज्यों में टेक्स्टबुक कारपोरेशन का अध्यक्ष तक एक नौकरशाह होता है। दुखद है कि देश की शिक्षा व्यवस्था अशक्त होती जा रही है। एक रास्ते के पांच सरकारी विश्वविद्यालयों में एक भी नियमित अध्यापक नहीं है। देश में एक लाख से अधिक सरकारी स्कूल केवल एक अध्यापक द्वारा चलाए जा रहे हैं। पिछले दो वर्षों में सरकारी स्कूलों में नामांकन 86 लाख घटा है, जबकि निजी स्कूलों में इसी दौरान 88 लाख बढ़ा है। संविधान देश के बच्चों को समानता और समता के आधार पर शिक्षा का अधिकार देता है, लेकिन क्या इसमें अध्यापकों की नियमित नियुक्ति सम्मिलित नहीं है? चाहे स्कूल हों या विश्वविद्यालय, मूलभूत आवश्यकताएं पूरी होनी ही चाहिए। केवल नीति में शिक्षक-छात्र अनुपात के महत्व को दर्शाना और व्यावहारिकता में उससे आंख चुरा लेना हर उस बच्चे के संह अन्याय है, जो सरकारी व्यवस्था में पढ़ने को मजबूर है। यह बच्चा उस व्यक्ति के परिवार से आता है जिसे शिक्षा की सबसे अधिक आवश्यकता है, जो गांधी जी द्वारा ईशित पॉक्त के अंतिम छोर पर खड़ा है।



सार-समाचार

बिजली, सड़क और पानी की समस्या का होगा समाधान

गुरुग्राम। मानेसर क्षेत्र के विकास को लेकर भाजपा ने बिजली, सड़क, पानी और सफाई की समस्याओं को दूर करने पर जोर दिया है। मानेसर में आयोजित सम्मान समारोह में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि मानेसर का विकास पार्टी की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों को रोजाना होने वाली परेशानियों को दूर करने के लिए काम किया जाएगा। बिजली, पानी और सड़क जैसी जरूरी सुविधाओं को बेहतर किया जाएगा। सफाई व्यवस्था पर भी ध्यान दिया जाएगा। सेक्टर-1, आईएमटी मानेसर में हरियाणा ब्यूरो ऑफ पब्लिक इंटरप्राइजेज के चेंबरमैन नियुक्त होने पर भाजपा हरियाणा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के सम्मान में कार्यक्रम हुआ। विधायक मुकेश शर्मा ने मोहन लाल बड़ौली को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

आर्य समाज सभा में शिक्षकों को किया गया सम्मानित

गुरुग्राम। सेक्टर-7 एक्सटेशन स्थित आर्य समाज सभा में शिक्षक दिवस पर साप्ताहिक यज्ञ के बाद शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम आर्य समाज के पूर्व संघालक एवं संरक्षक बलदेव कृष्ण गुगलानी की स्मृति में आयोजित हुआ। पदाधिकारियों ने राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों के योगदान की सराहना की। संरक्षक सुभाष कामरा, मदन लाल रेलन व आत्म प्रकाश गांधी के नेतृत्व में कार्यक्रम हुआ। प्रधान धर्मेंद्र बजाज और मंत्री विकास रेलन ने आभार जताया। इस दौरान उषा खेड़ा, संतोष वर्मा, आदेश सेतिया समेत कई शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

शीतला माता मंदिर में हुई विशेष आरती

गुरुग्राम। शीतला माता मंदिर में रविवार को विशेष आरती का आयोजन किया गया। इसमें आसपास के लोग शामिल हुए और मां शीतला की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने परिवार और क्षेत्र के सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान पूरा मंदिर जयकारों और भजन-से से गुंज उठा। आरती के बाद श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया।

नन्द उत्सव में कृष्ण भक्ति में झूमे श्रद्धालु

नई दिल्ली। श्री श्याम कृपा मंडल, दिल्ली ने रविवार को 14वें नन्द उत्सव महोत्सव का आयोजन ऑल इंडिया रेडियो कॉम्लेक्स के रंग भवन ऑडिटोरियम में किया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्सव में शामिल होकर भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की भक्ति और बुज की सांस्कृतिक परंपरा का आनंद लिया। मंडल के पदाधिकारी प्रवीण शंकर कपूर ने बताया कि कार्यक्रम में बुज अनुरागी मनीष चौहान, रॉसेक संत चित्र-विचित्र जी महाराज और बुज रसिका पूनम दीदी ने भजन एवं बहाई उत्सव गायन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में श्री बांके बिहारी मंदिर वृंदावनधाम के अनन्त गोस्वामी और श्री लाडली जी मंदिर कटरा नील के गोस्वामी मनीष गोस्वामी भी कार्यक्रम में मौजूद थे। नन्द उत्सव में सांसद योगेन्द्र चांदोलिया, कमलजीत सहरावत, प्रवीण खंडेलवाल, स्वाति मालीवाल, जय प्रकाश, विधायक अरविंदर सिंह लवली समेत कई जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

भोपाल भाजपा की जिला कार्यसमिति हुई घोषित



समय जगत, भोपाल। भोपाल में भारतीय जनता पार्टी की जिला कार्यसमिति रविवार रात करीब डेढ़ बजे जारी की गई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से जिलाध्यक्ष रविन्द्र यती ने जिला कार्यकारिणी सदस्यों, स्थाई आमंत्रित सदस्यों तथा विशेष आमंत्रित सदस्यों के नामों की आधिकारिक सूची जारी की है। कुल 90 कार्यकर्ताओं को जिला कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। इसमें मनोज राठौर, मनोज राजू अनेजा, राजेश खटीक, महेश जोशी, दिनेश पांडे, अनुषा सिंह रघुवंशी, पूजा भारद्वाज, विकास शर्मा (बंदी), सुमत कुमार जैन और सुनील व्यास सहित कई प्रमुख कार्यकर्ताओं को शामिल किया गया है। इसके अलावा संगठन ने 23 नेताओं को स्थाई आमंत्रित सदस्य मनोनीत किया है। इस श्रेणी में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री व वरिष्ठ नेता सुरेश पचौरी, रघुनंदन शर्मा, पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता, विश्वास सारंग, कृष्णा गौर, सांसद आलोक शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवान दास सबनानी, ध्रुवनारायण सिंह, महापौर मालती राज, राहुल कोठारी और सुमित पचौरी जैसे दिग्गज नेताओं के नाम शामिल हैं। वहीं 21 कार्यकर्ताओं को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है, जिसमें कृष्णमोहन सोनी, हीरेन्द्र बहादुर सिंह (हीरू), अनिल अग्रवाल लीली, नेहा बग्गा, भक्ति शर्मा, सतीश विश्वकर्मा और सतीश बाघम प्रमुख हैं। जिला अध्यक्ष रविन्द्र यती ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बहाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सभी कार्यकर्ता संगठन की रीति-नीति के अनुषंग कार्य करते हुए बृ्थ से लेकर जिला स्तर तक संगठन को और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि शेष बचे कार्यसमिति सदस्यों की घोषणा भी शीघ्र ही की जाएगी।

डबल इंजन सरकार में तेजी से हो रहा है हरियाणा का विकास: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने 78 करोड़ रुपये की लागत की 7 विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन-शिलान्यास

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को बवानी खेड़ा की अनाज मंडी में आयोजित विकास संकल्प जनसभा को संबोधित करते हुए क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का व्यापक रोडमैप प्रस्तुत किया। जनसभा में मुख्यमंत्री को सुनने अपार भीड़ उमड़ी। इस ऐतिहासिक जनसभा में मुख्यमंत्री ने लगभग 78 करोड़ रुपये की 7 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि केंद्र व हरियाणा में भाजपा की डबल इंजन सरकार आज तिगुनी गति से विकास कार्य करवा रही हैं। इस दौरान महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती श्वेति चौधरी, जनसभा के आयोजक विधायक श्री कपूर सिंह वाल्मीकि, सांसद चौ. धर्मबीर सिंह, पूर्व मंत्री श्रीमती किरण चौधरी, भिवानी विधायक श्री वनश्याम सराफ, नलवा विधायक श्री रणधीर सिंह पनिहार व पूर्व मंत्री श्री जेपी दलाल भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज इस जनसभा में जनता की अपार उपस्थिति हरियाणा की डबल इंजन सरकार की नीतियों पर अटूट विश्वास की मोहर है। उन्होंने

बवानी खेड़ा के उज्ज्वल भविष्य का संकल्प दोहराते हुए कहा कि कदम-कदम पर विकास की नई इबारत लिखी जाएगी और यह क्षेत्र तरकी के नए शिखर छूएगा। उन्होंने बताया कि विगत 12 वर्षों में इस विधानसभा क्षेत्र में 1446 करोड़ 38 लाख रुपये की लागत के विकास कार्य कराए गए हैं, जबकि पिछली कांग्रेस सरकार के 10 वर्षों में यह आंकड़ा मात्र 609 करोड़ 58 लाख रुपये था। एनएच-709ए का निर्माण 749 करोड़ रुपये से किया गया है, भिवानी-खरक एनएच 709 ई को 169 करोड़ रुपये से चारमार्गीय बनाया गया है, मानहेरू-बवानी खेड़ा रेलवे लाइन दोहरीकरण 413 करोड़ रुपये से निर्माणधीन है जिसमें 12 किलोमीटर का कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि खरक कलां में जल घर 29 करोड़ 47 लाख रुपये और सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी लाईनिंग 21 करोड़ 27 लाख रुपये की लागत से बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने किसान कल्याण को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य है, जहां सभी 24 फसलों की खरीद एमएसपी पर की जा रही है। फसल खरीद पर अब



तक 12 लाख किसानों के खातों में 1 लाख 86 हजार करोड़ रुपये सीधे भिजवाए जा चुके हैं। पिछले 12 वर्षों में फसल खराबे पर किसानों को 16 हजार 160 करोड़ रुपये की राशि दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण की

दिशा में दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 10 लाख बहन-बेटियों को 2,100 रुपये प्रतिमाह की दर से 2,042 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं, 'हर घर-हर गृहिणी' योजना के अंतर्गत 15 लाख परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक न्याय और गरीब कल्याण के अंतर्गत पिछड़ा वर्ग की आय सीमा 6 लाख से बढ़ाकर 8 लाख की गई है तथा पंचायतों और नगर निकायों में आरक्षण दिया गया है। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में युवाओं के लिए बिना खर्ची-बिना पच्ची की नौकरी नीति के तहत 2 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। नई हरियाणा प्रगतिशील एमएसएमई नीति-2026 के माध्यम से 55 हजार करोड़ रुपये का निवेश लाने तथा 5 लाख से अधिक नए रोजगार सृजित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। साथ ही विदेशों में रोजगार के इच्छुक युवाओं के लिए हरियाणा ओवरसीज एम्प्लॉयमेंट सेल का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री ने नशा मुक्ति अभियान के तहत हरियाणा उद्य

कार्यक्रम का जिक्र करते हुए सभी जिलों में मैराथन, साइक्लोट्रॉन, सेमिनार आयोजित करने और नशा तस्करो के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संत गुरु रविदास जी महाराज के 650 वें प्रकाश पर्व को राज्य स्तर पर भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने आमजन से 5 अक्टूबर को हरियाणा पहुंचने वाली समरसता यात्रा में अधिक से अधिक भागीदारी की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में भी जनकल्याण, सुशासन और समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने आज 3.51 करोड़ रुपये की लागत से तैयार राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गुजरानी, 2.62 करोड़ रुपये की लागत से तैयार राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कलिंगा के भवन, गांव खड़ा में 16.98 करोड़ से तैयार हुए कैनाल रेस्ट हाउस के कार्यालय परिसर और स्टाफ आवासीय भवन तथा बवानी खेड़ा में 28.89 करोड़ रुपये की लागत से तैयार दो जलघरों के नवीनीकरण और जलापूर्ति वितरण नेटवर्क का उद्घाटन किया।

डिलिमिटेशन का काम पूरा होते ही बवानी खेड़ा को मिलेगा उपमंडल का दर्जा

हलका बवानी खेड़ा के विकास के लिए मुख्यमंत्री

नायब सिंह सैनी ने दिल खोल कर की धन वर्षा

चंडीगढ़, समय जगत। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को बवानी खेड़ा की अनाज मंडी में आयोजित 'विकास संकल्प जनसभा' में कार्यक्रम के आयोजक बवानी खेड़ा के विधायक कपूर वाल्मिकी द्वारा मंच के माध्यम से रखी गई मांगों से भी आगे बढ़कर दिल खोलकर धनवर्षा करते हुए करोड़ों रुपये के नए विकास कार्यों की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बवानी खेड़ा को उपमंडल का दर्जा देने की वर्षों पुरानी मांग पर कहा कि डिलिमिटेशन का काम पूरा होते ही वर्ष 2028 में बवानी खेड़ा को उपमंडल का दर्जा मिलेगा। मुख्यमंत्री द्वारा की गई इस घोषणा पर उपस्थित जनसमूह ने तालियों और जयकारों के साथ मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि बवानी खेड़ा कस्बे के 50 बिस्तरों के नागरिक अस्पताल का विस्तार करते



हुए इस पर 50 करोड़ की राशि खर्च कर नए भवन का निर्माण व सभी प्रकार की अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। गांव रेवाड़ी खेड़ा में साढ़े 16 करोड़ की लागत से 33 केवी सब स्टेशन का निर्माण कराया जाएगा। गांव खरक कलां में महिला कॉलेज के भवन का निर्माण कराया जाएगा। बवानी खेड़ा कस्बे में जमीन उपलब्ध होने के बाद नई सब्जी मंडी का निर्माण करवाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव बलियाली व जमालपुर में 90-90 लाख की लागत से ग्राम सचिवालयों का निर्माण कराया जाएगा। गांव बड़सी गुजरान व गांव सैय में क्रमशः 90-90 लाख की लागत से बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने गांव कलिंगा में 85 लाख की राशि से महाराणा प्रताप कम्प्यूटि सेंटर व गांव मड़णा में 1.75 करोड़ की लागत से और गांव मुंडाल कलां में 80 लाख की लागत से कम्प्यूटि सेंटर का निर्माण करवाए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने गांव सिरसा घोघड़ा में 19 लाख की लागत से पार्क का निर्माण, गांव कलिंगा में 24 करोड़ 47 लाख की लागत से जल घर का पुनर्निर्माण व विस्तार, गांव जाटू लोहारी में भूमि उपलब्धता के आधार पर स्टेडियम और गांव तिगड़ाना व धनाना में 50-50 लाख की लागत से खेल सुविधाएं उपलब्ध करवाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने बवानी खेड़ा

में एक करोड़ की लागत से ई-लाइब्रेरी और दो करोड़ की लागत से महर्षि वाल्मीकि भवन का निर्माण करवाए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने बवानी खेड़ा में 50 लाख की लागत से महात्मा ज्योति फूले के नाम से भवन का निर्माण करवाने और कस्बे में 5 करोड़ की लागत से बवानी खेड़ा नगर पालिका कार्यालय के नए भवन का निर्माण व 15 करोड़ की लागत से महर्षि वाल्मीकि के नाम से स्टेडियम और दस करोड़ की लागत से बवानी खेड़ा में लोक निर्माण विभाग के नए रेस्ट हाउस का निर्माण करवाए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने बवानी खेड़ा विधानसभा क्षेत्र की मार्केटिंग बोर्ड की 13 सड़कों जो डीएलपी के अधीन हैं, इन 40.7 किलोमीटर की सड़कों का रखरखाव संबंधित एजेंसी द्वारा कराए जाने, बवानी खेड़ा विधानसभा क्षेत्र की पीडब्ल्यूडी की 68 सड़कों जो डीएलपी के अधीन हैं।

नॉर्थ जोन नेशनल्स में गुरुग्राम के रोल बॉल खिलाड़ियों का शानदार रहा प्रदर्शन



गुरुग्राम। नॉर्थ जोन नेशनल्स रोल बॉल प्रतियोगिता में गुरुग्राम के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हरियाणा और जिले का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों में स्वर्ण और रजत पदक जीते। उनकी उपलब्धि पर आरकेएसए मल्टी स्पोर्ट्स अकादमी में सम्मान समारोह आयोजित कर खिलाड़ियों को

उत्साहवर्धन किया गया। अंडर-11 बालिका वर्ग में प्रभलीन और किराती बजाज ने स्वर्ण पदक जीता। अंडर-14 वर्ग में इवान, अथर्व, वानिया और शारिणी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं, अंडर-11 वर्ग में वियान, जियांश, कार्तिक और उदय ने रजत पदक अपने नाम किए। सम्मान समारोह में रोल बॉल

एसोसिएशन गुरुग्राम के महासचिव राज कपूर, आरकेएसए मल्टी स्पोर्ट्स अकादमी के निदेशक सुधीर यादव, उपाध्यक्ष राजेंद्र और संयुक्त सचिव हरि शंकर ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया। गाड़ी हरसरू के पाषंद जुनून सहित प्रशिक्षक और खेल जगत से जुड़े लोग मौजूद रहे। पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रेवाड़ी मैराथन में ‘नशा मुक्त हरियाणा-खेल युक्त हरियाणा’ थीम पर दौड़े 50 हजार से अधिक नागरिक

चंडीगढ़, समय जगत। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा की युवा शक्ति ने नशे के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया है और युवाओं का यही जोश प्रदेश को नशामुक्त बनाने के अभियान को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने नशे की चुनौती से निपटने के लिए कार्रवाई, जागरूकता, उपचार और पुनर्वास पर मजबूत व्यवस्था तैयार की है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी रविवार को रेवाड़ी में ‘नशा मुक्त हरियाणा-खेल युक्त हरियाणा’ के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने तथा युवाओं को खेलों से जोड़कर नशे के खिलाफ मजबूत सामाजिक माहौल तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित हाफ मैराथन को बतौर मुखातिब संबोधित कर रहे थे। ‘नशे से जंग-

रेवाड़ी के संग’ थीम पर आयोजित इस भव्य मैराथन में रेवाड़ी के विधायक श्री लक्ष्मण यादव, बावल के विधायक डॉ. कृष्ण कुमार, कोसली के विधायक श्री अनिल यादव तथा नलवा के विधायक श्री रणधीर पनिहार, श्री पंकज नैन, मैराथन की बांड एबेसडर राष्मंडल खेल 2026 में पैरा एथलेटिक्स स्वर्ण पदक विजेता शर्मिला धनखड़ सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने मैराथन को प्रेरित ऑफ करने से पूर्व अपने संबोधन में कहा कि रेवाड़ी जैसी वीरता, परिश्रम और राष्ट्रभक्ति की धरती पर नशे जैसी सामाजिक बुराई के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या अचानक पैदा नहीं हुई, बल्कि लंबे समय से चली आ रही चुनौती है, जिस पर पहले गंभीरता



से ध्यान नहीं दिया गया। पिछले 12 वर्षों में हरियाणा सरकार ने इस समस्या को राजनीतिक

चरम से नहीं, बल्कि हरियाणा के परिवारों और युवाओं के भविष्य से जोड़कर देखा है। सरकार नशे के खिलाफ प्रभावी एवं ठोस कदम उठाते हुए युवाओं को सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशामुक्त युवा ही खुशहाल परिवार की आधारशिला है, हुनरमंद युवा ही समृद्ध हरियाणा का निर्माण करेगा और संकल्पवान युवा ही विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत की ताकत बनेगा। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं से नशे के खिलाफ जन जागरूकता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि उनके आसपास कोई व्यक्ति नशे की बिक्री या ड्रा पैडलिंग जैसी गतिविधियों में संलग्न है, तो वे चुप न रहें। उनकी एक सूचना किसी परिवार के चिराग को

बुझने से बचा सकती है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक युवा कम से कम 10 अन्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की जिम्मेदारी ले, तो यह संकल्प शीघ्र ही एक विराट जन आंदोलन का रूप ले सकता है। उन्होंने बताया कि नशा पीड़ितों की सहायता तथा ड्रग पैडलिंग की गतिविधियों की सूचना देने के लिए टोल-फ्री एंटी-ड्रग हेल्पलाइन नंबर 9050891508 शुरू किया गया है। इसके अलावा नशीले पदार्थों से संबंधित शिकायतें ‘मानस’ पोर्टल और हेल्पलाइन नंबर 1933 के माध्यम से भी दर्ज कराई जा सकती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिकायतकर्ता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है, इसलिए नागरिक बिना किसी भय के नशे के खिलाफ इस अभियान में अपनी जिम्मेदारी निभाएं।



हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा जल विहार पर्व, तैयारियां शुरू

22 सितंबर को रघुनाथजी मंदिर से निकलेगी विमानों की शोभायात्रा

समय जगत, ललितपुर। श्रीरामलीला हनुमान जयंती महोत्सव समिति की ओर से जल विहार पर्व (डोल ग्यारस) को परंपरागत श्रद्धा और हर्षोल्लस के साथ मनाने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस संबंध में चौबयाना स्थित रघुनाथ जी बड़ा मंदिर में समिति पदाधिकारियों, नगर के गणमान्य नागरिकों तथा विभिन्न मंदिरों के प्रबंधकों एवं पुजारियों की बैठक पूर्व नपाध्यक्ष अशोक पटैरिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में पर्व के आयोजन को लेकर विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा कर जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में निर्णय लिया गया कि 22 सितंबर को शाम पांच बजे रघुनाथ जी मंदिर चौबयाना से सभी मंदिरों के विमानों की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। विमानों में विराजमान भगवान बाके बिहारी को गाजे-बाजे के साथ जल विहार के लिए सुमेरा तालाब ले जाया जाएगा। शोभायात्रा चौबयाना, रावरपुरा, सुभाषपुरा, घंटाघर, वीर सावरकर चौक और तालाबपुरा होते हुए सुमेरा तालाब पहुंचेगी। सुमेरा तालाब पर भगवान बाके बिहारी का पवित्र गंगाजल से



जल अभिषेक कराया जाएगा। इसके बाद महाआरती होगी। रात करीब आठ बजे के बाद महाआरती संपन्न होने पर सभी विमान वीर सावरकर चौक से कटरा बाजार स्थित गणेश झांकी स्थल पहुंचेंगे। यहां आरती के बाद विमान जगदीश मंदिर और घंटाघर स्थित थानेश्वर मंदिर पहुंचेंगे, जहां महाआरती की जाएगी। इसके पश्चात सभी विमान अपने-अपने देवालियों के लिए रवाना होंगे। बैठक में सदर विधायक रामरतन कुशवाहा ने मंदिरों तक पहुंचने वाले मार्गों की खराब सड़कों और सुमेरा तालाब में पानी की कमी

सहित अन्य समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने आयोजन को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं कराने का आश्वासन दिया। प्रदीप चौबे ने कहा कि जल विहार पर्व के आयोजन में शासन और प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग दिलाया जाएगा। प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबले सप्नू ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी सभी लोग मिलकर पर्व के आयोजन में सहयोग करेंगे। समिति अध्यक्ष पं.बृजेश चतुर्वेदी ने बताया कि सड़क, सुरक्षा,

प्रशासनिक और यातायात व्यवस्थाओं को लेकर समिति का प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और नगर पालिका प्रशासक से मुलाकात करेगा। इस दौरान व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए ज्ञापन भी सौंपा जाएगा। बैठक का संचालन महामंत्री डा.प्रबल सक्सेना ने किया। इस दौरान सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, प्रदीप चौबे, प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबले सप्नू, समिति अध्यक्ष पं. बृजेश चतुर्वेदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पं. रयामाकांत चौबे, प्रबंधक हरविंदर सिंह सलूजा,

कोषाध्यक्ष अमित तिवारी, मंत्री राकेश तामिया, संयोजक पं. जगदीश पाठक, ऑडिटर चंद्रशेखर राठौर, शिव कुमार शर्मा, अवधेश कोशिक, शुभम कौशिक, पं. मुन्नालाल त्यागी, कोस्तुभ चौबे, शरद खैरा, विलास पटैरिया, महेश श्रीवास्तव, बलराम पंचौरी, संदीप चौबे, राधे सेन, कालका प्रसाद सेन, मदन मोहन शर्मा, विषम यादव, रामशेही शुक्ला, मयंक मालवीय, रामनरेश दुबे, संजय पाठक, धर्मप्रताप सिंह परमार, राहुल चौबे, गोल्ड सरदार, राकेश महाराज, कृष्णबिहारी मिश्रा, राजेश रिछरिया, सुधीर मिश्रा, वृजनंदन तिवारी, नरेंद्र पाठक, लक्ष्मीनारायण, दीपक वैद्य, वीरेंद्र सोनी, नमल किशोर सोनी, संजू ग्वाला, आनंद मालवीय, शिवाजी मालवीय, राजेश तिवारी, अजय प्रताप सिंह तोमर, गिरजाशंकर दुबे, शिवप्रसाद, महेश कुमार, रामलाल दुबे, गोल्ड चौबे, वीरेंद्र पुरोहित, पं. दीनदयाल शर्मा, रघुबर दयाल प्रजापति, बललन शर्मा, शिवा सहाय पाठक, नीरज मालवीय, मथुरा प्रसाद सोनी, कुलदीप चौबे, ध्रुव कालेदार सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं : राज्यमंत्री

गुरु गौरव सम्मान समारोह में 100 से अधिक विद्यालयों के 300 से अधिक शिक्षक सम्मानित

समय जगत, ललितपुर। शिक्षक दिवस पर प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के तत्वावधान में स्थानीय आर.ई. मिशन स्कूल, चर्च के पास गुरु गौरव सम्मान समारोह 2026 का भव्य आयोजन किया गया। अध्यक्षता सदर विधायक रामरतन कुशवाहा ने की, जबकि मुख्य अतिथि राज्यमंत्री मनोहर लाल रहे। समारोह में जिले के 100 से अधिक विद्यालयों के 300 से अधिक प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों को गुरु गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि राज्यमंत्री कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र की आधारशिला हैं। उनके ज्ञान, समर्पण एवं संस्कारों को नमन करते हुए उक्त्यू प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों को गुरु गौरव सम्मान से सम्मानित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सम्मानित होने वाले सभी शिक्षक बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक हमारे राष्ट्र

का निर्माता है और बच्चे हमारा भविष्य हैं। अध्यक्षता कर रहे सदर विधायक ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहे निजी विद्यालय एवं संस्थाएं बधाई की पात्र हैं। शिक्षा के क्षेत्र में निजी विद्यालयों का योगदान अभिस्मरणीय एवं सराहनीय है। जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण ने कहा कि प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा जिले में किया जा रहा कार्य अत्यंत सराहनीय है। एसोसिएशन अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने कहा कि आज गुरु गौरव सम्मान के अंतर्गत जनपद के 100 से अधिक विद्यालयों तथा 300 से अधिक शिक्षकों को सम्मानित किया गया है। शिक्षक अपना पूरा तन, मन और धन लगाकर अपने दायित्व का निर्वहन करता है।

इसलिए शिक्षकों का सम्मान हर हाल में होना चाहिए। इस दौरान नपाध्यक्ष सोनाली जैन, डा राजकुमार, ला.सन्मति समग्र एसोसिएशन संरक्षक संजय श्रीवास्तव, किशोर मैथ्यू, राजेंद्र सिंह यादव, विजय सिंह यादव, डी.एस. विवेक, अजय बरया, दीपक चौबे, वसीम खजुरिया, आकाश मसीह, कपिल मसीह, प्रमोद एच लाल, विकास पुरोहित, अरुण देवलिया, पुनीत देवलिया, उत्कर्ष श्रीवास्तव, ब्लॉक अध्यक्ष अरुण ताम्रकार, अवतार सिंह, अमर सिंह विश्वकर्मा, राम सेवक दिवाकर, बौरेंद्र सिंह, संजीव शर्मा, महेंद्र सिंह, राम स्वरूप आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। संचालन महामंत्री ध्रुव साहू ने किया।



राष्ट्रसेवा का महासंकल्प: 25 वर्षों की गौरव गाथा लेकर घर-घर जाएंगे कार्यकर्ता- रामकिशोर साहू

समय जगत, झांसी।प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के राष्ट्रसेवा एवं जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी झांसी महानगर द्वारा 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत जिला कार्यशाला का आयोजन भाजपा कार्यालय में किया गया।कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ उपस्थित अतिथियों एवं पदाधिकारियों द्वारा महापुरुषों के चित्रों पर पुष्पांजलि, माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर मंचासीन क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकिशोर साहू,जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह, सांसद अनुराग शर्मा, विधायक रवि शर्मा, विधान परिषद सदस्य रामतीर्थ सिंघल, जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम, पूर्व जिलाध्यक्ष जयदेव पुरोहित, क्षेत्रीय मंत्री शिवेंद्र प्रताप शैली, परमजीत सिंह मरी, मनोप तिवारी, जिला महामंत्री विकास कुशवाहा, जिला मंत्री मीनू राजावत, मुकुल द्विवेदी उपस्थित रहे। कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के संकल्प एवं सेवा को समर्पित



सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सेवा संकल्प अभियान 2026 आयोजित किया जा रहा है। कार्यशाला में मुख्य अतिथि एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष आदरणीय श्री रामकिशोर साहू जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यशाला की प्रस्तावना जिलाध्यक्ष झांसी महानगर सुधीर सिंह ने रखी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को ‘सेवा संकल्प अभियान’ के उद्देश्य, रूपरेखा एवं आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का 25 वर्षों का

सार्वजनिक जीवन राष्ट्रसेवा, जनकल्याण, सुशासन और अंत्योदय के प्रति समर्पण की प्रेरणादायी यात्रा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले 13 कार्यक्रमों जैसे आशीर्वाद का दीया (घर-घर दीप प्रज्वलन),25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत (चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता),नमो सेवा गाथा (उकड़ नाटक प्रस्तुति), आंगन का उत्सव (आंगनवाड़ी बहनों का सम्मान),कहानी बदलाव की (हर शक्ति केंद्र 10 लाभार्थियों की

रील),विकसित भारत संकल्प यात्रा (प्रभावशाली परिवर्तन स्थलों की डिजिटल जागरूकता), सेवा ज्योति यात्रा,वडनगर से वाराणसी कृ (जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा),सेवा मेघ योगदान,, सेवा सेतु अभियान कृ सरकार आपके द्वार (सेवा सेतु कैम्प आयोजन),रंगोली राष्ट्र (मानव रंगोली का आयोजन), राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज,जनसेवक महाकुंभ कृ पंचायत से पार्लियामेंट (जनप्रतिनिधियों द्वारा सामूहिक संकल्प) का संक्षिप्त विवरण बताया।

समय जगत, ललितपुर। भाजपा की कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्रीय कार्यसमिति में ललितपुर की सक्रिय एवं समर्पित कार्यकर्ता बसंती लारिया को सदस्य की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकिशोर साहू द्वारा उन पर विश्वास जताते हुए क्षेत्रीय टीम में शामिल किए जाने से भाजपा कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है।

इसे ललितपुर की मातृशक्ति के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। बसंती लारिया लंबे समय से भाजपा के संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती आ रही हैं। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, निरंतर सक्रियता, कार्यकर्ताओं के साथ संवाद और जिम्मेदारियों के निर्वहन में तत्परता के चलते उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व मिला है। क्षेत्रीय कार्यसमिति में जिम्मेदारी मिलने को उनके दीर्घकालीन संगठनात्मक समर्पण और कार्यक्षमता का सम्मान



माना जा रहा है।

बसंती लारिया की क्षेत्रीय कार्यसमिति में नियुक्ति को महिला नेतृत्व और सशक्तिकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी संगठन में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ने के बीच उन्हें क्षेत्रीय स्तर पर जिम्मेदारी मिलना जिले की महिला कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायी संदेश है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि संगठन में महिलाओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देकर उनकी

नेतृत्व क्षमता पर भरोसा जताया जा रहा है। बसंती लारिया अनुसूचित जाति के अहिरवार समाज से आती हैं। ऐसे में उन्हें क्षेत्रीय संगठन में प्रतिनिधित्व मिलने को सामाजिक समावेश की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उनकी नियुक्ति की जानकारी के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ-साथ अहिरवार समाज में भी खुशी का माहौल है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह उपलब्धि न केवल

बसंती लारिया के लिए बल्कि ललितपुर की महिलाओं और समाज के लिए भी सम्मान की बात है। क्षेत्रीय कार्यसमिति में मिली नई जिम्मेदारी को बसंती लारिया के वर्षों के संगठनात्मक परिश्रम, सक्रियता और समर्पण का परिणाम माना जा रहा है।

कार्यकर्ताओं का मानना है कि उनकी कार्यशैली, संवाद क्षमता और संगठन के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता ने उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। बसंती लारिया को क्षेत्रीय कार्यसमिति में शामिल किए जाने से जिले के महिला कार्यकर्ताओं और युवा कार्यकर्ताओं में भी उत्साह है। उनकी यह नई जिम्मेदारी संगठन में कार्य कर रहे कार्यकर्ताओं के लिए संदेश है कि निरंतर सक्रियता, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने पर संगठन में आगे बढ़ने के अवसर मिलते हैं।

कोई व्यक्ति मां को प्रसन्न कर ले तो पृथ्वी के ऋण से मुक्त हो जाता है और पिता को प्रसन्न रखे तो सारे देव प्रसन्न हो जाते हैं : स्वामी अभिराम दास दीवाचार्य जी



समय जगत, निवाड़ी । थाने के हनुमान जी मंदिर पर चल रही भागवत कथा में श्रद्धा भक्तिके के आनन्द की अविरल धारा बह रही है श्री मती किरण बाजपेई श्री सुरेश बाजपेई जी मुख्य जन्मनाम की भूमिका में बाजपेई परिवार द्वारा बहुत भव्य सुंदर आयोजन श्री मद भागवत कथा का 31 अमस्त को कलश यात्रा से शुभारंभ हुआ जो आज पांचवें दिन अलौकिक आनंद के साथ भक्ति के चरम पर था परम ज्ञानी अनंत श्री

विभूषित श्री मद जगतगुरु द्वाराचार्य भवानंद पीठा धीस्वर श्री स्वामी अभिराम दास देवा चार्य जी महाराज श्री धाम बुंदावन जी के मुखारविन्द से सुन कर महिला एवं पुरूष श्रोता मंत्र मुग्ध हैं कथा में श्री महाराज जी ने सुंदर ढंग मानव जीवन के बारे में विस्तार से बताया महाराज जी ने कहा कि प्रत्येक मनुष्य को गुरु के बताए मार्ग पर चलना चाहिए और संतों के चरणों में बैठ कर सत्संग करना चाहिए क्योंकि गुरु की आराधना से बड़े से बड़ा पापी



भी तर जाता है कितना भी पापी हो अंत समय उसको लेने यमदूत खड़े हों पर भगवान विष्णु के प्रहरी आते हैं और यमदूतों को हटा कर अपने साथ ले जाते हैं कहते हैं हटाइसे गुरु की सेवा है यह नर्क का भागी नहीं है गुरु की सेवा से इसके सारे पाप धुल गए हैं महाराज के साथ सभी ने गाया कि मेरे गुरुवर दीन दयाल ,काग को हंस बनाते हैं , इसी तरह महाराज जी ने बताया कि कलयुग में केवल प्रभु का नाम जप करना चाहिए आज भगवान

कृष्ण जी का जन्माष्टमी पर्व पर सारे विश्व की तरह कथा में भी जन्मोत्सव मनाया गया और सुंदर दुस्र जन्म भगवान श्री कृष्ण के पिता टोकरी में लिटा कर कन्य्या को ले कर जाते हैं नंद गांव भगवान जी को लेकर यमुना मैदा पार करते बासुदेव जी की सुंदर झांकी प्रस्तुत की गई सभी श्रोता खासतौर पर महिलाएं नृत्य कर आनंद लेती रहीं और धूम धाम से नंद के आनंद भग्यो है कन्हैया लाल की उत्सव मनाया गया ।

राज्यपाल से सम्मान प्राप्त कर अजय मिश्रा ने बढ़ाया निवाड़ी का मान

समय जगत, निवाड़ी। निवाड़ी जिले के ग्राम बरबाहा निवासी श्री अजय मिश्रा पुत्र श्री अश्विनी मिश्रा को महा महिम राज्यपाल जी द्वारा उच्चतर शिक्षा सम्बर्ग में पुरस्कृत कर संपूर्ण जिला निवाड़ी का मान बढ़ाया शिक्षक सम्मान समारोह मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में शिक्षा विभाग द्वारा लोक शिक्षक संचालनालय में आयोजित में मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मांगुभाई पटेल प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री डाक्टर मोहन यादव जी प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह जी युवा एवं खेल कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग जी



एवं प्रदेश भर से आए पुरस्कृत हुए सम्माननीय शिक्षक साथियों बहनों एवं मध्यप्रदेश शिक्षा जगत के सम्पूर्ण उच्च सम्माननीय अधिकारियों की उपस्थिति में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक सम्मान से नवाजा गया पूरे मध्यप्रदेश से उच्च श्रेणी शिक्षक सम्बर्ग में चयनित 15

एवं जिला निवाड़ी के लिए गौरव की बात है श्री अजय मिश्रा संस्कारी परिवार से हैं उनके पिता श्री अश्विनी मिश्रा जिला पंचायत से सेवा निवृत्त हैं एक छोटा भाई भारतीय स्टेट बैंक में मैनेजर है एक बहिन है ग्रामीण परिवेश से निकल कर अजय बचपन से ही पढ़ने में होशियार रहे हैं

उन्होंने एक योग्य बुद्धिमान शिक्षक होने के नाते अनेकों पुरस्कार एवं सफलताएं प्राप्त की है रसायन शास्त्र विषय पर उनका नियंत्रण बहुत अच्छा है वह वर्तमान में शासक शिक्षा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पृथ्वीपुर में पदस्थ हैं पूर्व में मॉडल स्कूल में भी रहे हैं प्राचार्य भी रहे हैं श्री अजय मिश्रा के को एवं उनके परिवार वालों को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है आज जिला निवाड़ी गौरवान्वित है इसके अलावा ग्राम सीतापुर में पदस्थ प्राथमिक शिक्षक सम्बर्ग में श्री मती ज्योति पाठक जी को भी सम्मान मिला है ।

बी.के.डी में धूमधाम से मनाई डॉ. राधाकृष्णन की जंयती

समय जगत, झांसी। बुन्देलखण्ड कॉलेज, झाँसी में भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जयन्ती शिक्षक दिवस के रूप में धूम-धाम एवं हर्षोल्लस के साथ मनायी गयी। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री रामतीर्थ सिंघल, सदस्य विधान परिषद के द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। ्रामतीर्थ सिंघल ने अपने उद्घोषन में शिक्षकों के राष्ट्र निर्माण एवं विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण तथा विकसित भारत



के लक्ष्य प्राप्ति हेतु युवा निर्माण का आह्वान किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में युवा कवि श्री पंकज अभिराम द्वारा विभिन्न कविताओं के माध्यम से शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को कर्तव्यबोध से प्रेरित

किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एस.के. राय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में 40 से अधिक वर्षों

तक सेवा करने वाले चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी श्री उदय नारायण (उडा) का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गयीं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रो. नूतन अग्रवाल, प्रो. नीलम सिंह, प्रो. स्मिता जायसवाल, प्रो. नवेन्द्र कुमार सिंह, डॉ. ब्रजेश मिश्रा, डॉ. कमलेश सिंह, डॉ. सुरेन्द्र नारायण आदि शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. एल.सी. साहू एवं आभार डॉ. वन्दना कुशवाहा द्वारा किया गया।

स्वतंत्र पत्रकार पंडित सचिन शर्मा ‘सूर्या’ को मिली मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग में जिम्मेदारी

समय जगत, रीवा। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग, भोपाल के अध्यक्ष, सेवानिवृत्त आईएसडॉ. ए.पी. सिंह द्वारा विंध्य क्षेत्र के स्वतंत्र पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता पंडित सचिन शर्मा ‘सूर्या’ को मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग,भोपाल में रीवा से आयोग मित्र बनाया गया है।

यह जिम्मेदारी दिए जाने पर पत्रकारिता एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों में हर्ष का माहौल व्याप्त है। मानव अधिकारों के संरक्षण,आमजन की समस्याओं को सामने लाने तथा जरूरतमंद लोगों की आवाज संबंध्यित मंच तक पहुंचाने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी माना जा रहा है। सचिन सूर्या लंबे समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के लिए पहचाने जाते हैं। जिनकी पत्रकारिता में आम नागरिकों की समस्याओं,प्रशासनिक स्तर पर होने वाली

व्यवस्था,सामाजिक सरोकारों और जनहित के विषयों को प्रमुखता मिलती रही है। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग द्वारा आयोग मित्र के मनोनयन का उद्देश्य मानव अधिकारों से जुड़े मामलों में आमजन और आयोग के बीच एक महत्वपूर्ण संपर्क कड़ी तैयार करना रहा है। पूर्व में आयोग द्वारा क्षेत्रीय स्तर पर आयोग मित्रों की नियुक्ति की जाती रही है। जो आम नागरिकों को उनके मानव अधिकारों के प्रति जागरूक करने,मानव अधिकारों के उल्लंघन से जुड़े मामलों की जानकारी आयोग तक पहुंचाने तथा



जरूरतमंद लोगों को उचित मंच तक अपनी समस्या पहुंचाने में सहयोगी की

भूमिका निभाते हैं। मध्यप्रदेश शासन के अधिमान्य पत्रकार पंडित सचिन शर्मा ‘सूर्या’ के आयोग मित्र बनाए जाने को पत्रकारिता और सामाजिक सरोकारों से जोड़कर देखा जा रहा है। जिससे समाज के चौथे स्तंभ के रूप में जमीनी स्तर पर लोगों से लगातार संपर्क में रहने के कारण आम नागरिकों की समस्याओं और मानव अधिकारों से जुड़े मुद्दों को समझने तथा सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अवसर मिलेगा। मानव अधिकारों से संबंधित किसी व्यक्ति की शिकायत,समस्या अथवा अधिकारों

के उल्लंघन का मामला सामने आने पर उसे उचित प्रक्रिया और संबंधित मंच तक पहुंचाने में भी यह भूमिका महत्वपूर्ण होती है। रीवा जिले की मनगवां विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गोंदरी निवासी सचिन सूर्या ने अपनी पत्रकारिता के माध्यम से हमेशा जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देने का कार्य किया है। मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग में रीवा से मिली यह नई जिम्मेदारी पत्रकारिता से आगे बढ़कर मानव अधिकारों और आमजन के हितों की पैरवी करने का एक अतिरिक्त माध्यम के तौर पर देखी जा रही है। इस नियुक्ति पर पत्रकार

जगत,सामाजिक संगठनों,शुभचिंतकों एवं क्षेत्रवासियों ने बधाई देते हुए उम्मीद जताई है कि सचिन सूर्या इस जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्पक्षता,संवेदनशीलता और जनहित की भावना के साथ करेंगे। सचिन सूर्या ने अपनी इस नियुक्ति पर आयोग के मान. अध्यक्ष डॉ. ए.पी. सिंह के प्रति आभार प्रकट किया है। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग द्वारा समय-समय पर आयोग मित्रों के माध्यम से जिलों में मानव अधिकारों से जुड़े विषयों को लोगों तक पहुंचाने और आयोग से जोड़ने की व्यवस्था की जाती रही है।

पुलिस ने चलाया सघन वाहन चेकिंग अभियान

समय जगत, रीवा। जिले में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन को लेकर पुलिस द्वारा लगातार वाहन चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में बैकुंठपुर थाना पुलिस ने पुलिस अधीक्षक गुरुकरण सिंह के निर्देशन में तथा एसडीओपी सिरमौर रूपेंद्र धुवें के मार्गदर्शन में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान थाना प्रभारी बैकुंठपुर निरीक्षक श्रृंगेश सिंह राजपूत के नेतृत्व में संचालित किया गया। वाहन चेकिंग के दौरान बैकुंठपुर थाना क्षेत्र से गुजरने वाले दोपहिया और चारपहिया वाहनों पर पुलिस टीम ने विशेष निगरानी रखी। आने-जाने वाले वाहनों को रोककर उनके आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। पुलिस द्वारा वाहन चालकों से ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन का पंजीयन, बीमा सहित अन्य जरूरी दस्तावेजों के संबंध में जानकारी ली गई। दस्तावेजों में कमी पाए जाने पर संबंधित वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की समझाझ भी दी गई। अभियान के दौरान पुलिस ने विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों द्वारा हेलमेट के इस्तेमाल पर ध्यान दिया। बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ नियमानुसार चालानी कार्रवाई की गई। पुलिस ने वाहन चालकों को समझाया कि हेलमेट केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि सड़क दुर्घटना के दौरान जान



बचाने के लिए बेहद जरूरी है। पुलिस ने सभी दोपहिया वाहन चालकों से वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने की अपील की। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करने से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। वाहन चलाते समय लापरवाही बरतना स्वयं चालक के साथ-साथ सड़क पर चल रहे अन्य लोगों के लिए भी खतरा पैदा कर सकता है। ऐसे में वाहन चालकों को अपनी और दूसरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। बैकुंठपुर पुलिस द्वारा चलाए गए इस अभियान के दौरान वाहन चालकों के बीच यातायात नियमों को लेकर जागरूकता फैलाने का भी प्रयास किया गया। पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे वाहन चलाते समय गति पर नियंत्रण रखें, आवश्यक दस्तावेज अपने साथ रखें और दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का इस्तेमाल जरूर करें।

किसान मोर्चा मंडल गुढ़ की नई कार्यकारिणी हुई घोषित, 20 पदाधिकारियों को मिली जिम्मेदारी

गुढ़ (समय जगत) । भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा मंडल गुढ़ की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा जबलपुर सिंह चावड़ा के निर्देश, भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता के मार्गदर्शन तथा जिला किसान मोर्चा अध्यक्ष प्रवीण त्रिपाठी और भाजपा मंडल गुढ़ अध्यक्ष एवं विधायक प्रतिनिधि अनंत कुमार गुप्ता की सहमति से मंडल पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। घोषित कार्यकारिणी में जगन्नाथ पटेल और रमेश कुमार द्विवेदी, रजनीश कुमार मिश्रा को उपाध्यक्ष बनाया गया है। संदीप सिंह एवं सोमवती कुशवाहा को महामंत्री तथा बृजकिशोर कुशवाहा, बाबूलाल पटेल और वीरेंद्र सिंह परिहार को मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सचितानंद शर्मा को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसी क्रम में निखिल पाठक को सोशल मीडिया प्रभारी, प्रांजल अग्निहोत्री को आईटी प्रभारी और शारदा प्रसाद पाण्डेय को मन की बात प्रभारी बनाया गया है। वहीं सुनीता तिवारी, रीतू पटेल, शिवधर द्विवेदी, शिंयाशरण कुशवाहा, नारायण विश्वकर्मा, कैशव प्रसाद पटेल, अनूप कुमार पाण्डेय

आया 49 हजार 300 रुपए का बिजली बिल, हंगामा

विदिशा। साईं फॉर्चून कॉलोनी निवासी एक उपभोक्ता के घर अचानक 49 हजार 300 रुपए का बिजली बिल पहुंचने से हड़कंप मच गया। इतनी बड़ी राशि का बिल देखकर उपभोक्ता शिकायत लेकर बिजली कंपनी के जोन-2 कार्यालय पहुंचा, जहां बिल को लेकर काफी देर तक गहमागहमी की स्थिति बनी रही। उपभोक्ता ने बिजली कंपनी की कार्य प्रणाली पर सवाल उठाते हुए एक साथ इतनी बड़ी राशि का बिल आने को कंपनी की खामी बताया और बिल में राहत देने की मांग की। साथ ही कंपनी के ईए पर अभद्र व्यवहार करने का आरोप भी लगाया। जानकारी के अनुसार साईं फॉर्चून कॉलोनी निवासी राजकुमार मीणा के घर का बिजली बिल अचानक 49 हजार 300 रुपए पहुंच गया। इतनी बड़ी राशि का बिल आने के बाद वे बिजली कंपनी के जोन-2 कार्यालय पहुंचे और अधिकारियों के सामने अपनी शिकायत रखी। राजकुमार मीणा का आरोप है कि उन्होंने जब बिल को लेकर कंपनी के ईए से चर्चा की तो उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जब पिछले कई महीनों से नियमित बिल जरूरत नहीं हुआ तो एक साथ इतनी बड़ी राशि का बिल उपभोक्ता के सामने भेजना उचित नहीं है।

दस माह से नहीं बन रहा था बिल: इस मामले में बिजली कंपनी के ईए शरद महोबिया ने बताया कि नेक्शन भारत सिंह मीणा के नाम से घरेलू श्रेणी में दर्ज है। पिछले करीब दस महीनों से बिल जनरेट नहीं हो पा रहा था।

सेवा संकल्प अभियान को लेकर कार्यशाला का आयोजन

रीवा। भाजपा कार्यालय अटल कुंज में सेवा संकल्प अभियान को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा किये गये विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। यह सेवा संकल्प अभियान का कार्यक्रम 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक निरंतर जारी रहेगा और बूथ स्तर पर मनाया जायेगा। 17 सितम्बर को नरेन्द्र मोदी जी के सेवा के 25 वर्षों के कार्यकाल के उपलक्ष्य में बूथ स्तर पर प्रत्येक हितग्राही के घर में दीपक जलाया जायेगा। जिसमें भाजपा जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, मोर्चा प्रकोष्ठ, मातृशक्ति कार्यकर्ता शामिल रहेंगे। सेवा संकल्प अभियान के कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए सांसद जनार्दन मिश्रा ने कहा कि यह एक माह का जो कार्यक्रम है इसमें अधिक से अधिक लोग सम्मिलित होकर मनाया है। भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी सेवा करने वाली पार्टी है जिसमें आप करोना काल में ही देख लिये है। करोना में दवा से लेकर खाद्य वितरण तक करने का काम भारतीय जनता पार्टी ने किया है। जन सेवा हमारे खून में है। भाजपा सिर्फ चुनाव लड़ने की पार्टी नहीं है यह सेवा की पार्टी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का यह सेवा का संदेश सब के पास पहुंचे। मोदी जी के सकल्य की राह पर हम चलेगे तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी।

सेवा संकल्प अभियान के कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने कहा कि जन सेवा ही प्रभु सेवा है। 17 सितम्बर को नरेन्द्र मोदी जी के सेवा के 25 वर्षों



के कार्यकाल के उपलक्ष्य में बूथ स्तर पर प्रत्येक हितग्राही के घर में दीपक जलाया जायेगा। मोदी जी ने सेवा के दौरान एक दिन की भी छुट्टी नहीं ली है। आपके नेतृत्व में भारत का सम्मान पूरे विश्व में चरम पर पहुंचा है। आज मोदी जी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता है। यह कार्यक्रम 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक मनाया जायेगा। प्रधानमंत्री जी का जन्मदिन सभी गांवों के साथ मनाया जायेगा। प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करना है और सभी मंडलों में दिया जलाकर कर पूरे विश्व को बता देना है कि हमारे प्रधानमंत्री कितने लोकप्रिय है। इस कार्यशाला में अगामी दिनों में मुख्य कार्यक्रम आशीर्वाद का दीया, 25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत, नमो सेवा गाथा, आंगन का उत्सव, कहानी बदलाव की, विकसित भारत संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति यात्रा, यात्रा का स्वागत (काशी से वड़नगर -

वड़नगर से काशी), सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु अभियान, रंगोली राष्ट्र, जन सेवक महाकुंभ कार्यक्रम होंगे।

स्वागत भाषण कार्यक्रम संयोजक जिला महामंत्री उमाशंकर पटेल ने किया व संचालन सह संयोजक सूर्यप्रताप तिवारी द्वारा किया गया। सेवा संकल्प अभियान के कार्यशाला में प्रमुख रूप से जिला प्रभारी रवीन्द्र चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती मनीषा पाठक, गौरव तिवारी, पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी, के पी त्रिपाठी, पन्नाबाई प्रजापति, विनय विकास प्रगिहाथ उपाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह, नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय, पूर्व प्रदेश मंत्री राजेश पाण्डेय, पूर्व जिलाध्यक्ष विद्याप्रकाश श्रीवास्तव, कार्यक्रम संयोजक उमाशंकर पटेल, वरिष्ठ नेता पम सिंह, महाबली गौतम, राजेन्द्र ताम्रकार, अनिल पटेल राजेन्द्र त्रिपाठी, जिला महामंत्री विवेक गौतम, जीवनलाल साकेत आदि शामिल रहे।

सार-समाचार

स्कूल में असामाजिक तत्वों ने बना रखा अड़ड़ा, सभी हो रहे परेशान



विदिशा । किले अंदर स्थित शासकीय प्राथमिक शाला चोपड़ा परिसर में आसामाजिक तत्वों द्वारा स्कूल परिसर में नशे का सेवन करने और तोड़फोड़ करने जैसी घटनाएं होने से यहां के शिक्षकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षकों का कहना है कि प्रतिदिन हम लोग यहां आते हैं तो परिसर में शराब की बोटल और अवैध नशे के इंजेक्शन पड़े हुए रहते हैं। जिसके कारण से स्कूल में आने वाले बच्चों के लिए काफी परेशानियां होती है। उन्होंने कहा कि आसामाजिक तत्वों द्वारा स्कूल में लगी हुई केबल तोड़ दी गई है, जिसके कारण से बिजली बंद पड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि हम कई बार तार फेसिंग कर चुके हैं, लेकिन दूसरे दिन आकर देखते हैं तो उसे तोड़ दिया जाता है। उन्होंने कहा कि आसपास के लोग स्कूल परिसर में कचरा डाल देते हैं, जिससे हम लोगों को साफ सफाई करना पड़ती है। उन्होंने कहा कि यहां दो स्कूल संचालित होते हैं, दोनों ही परिसरों में आसामाजिक तत्वों द्वारा स्कूल बंद होते ही अपनी गतिविधियां शुरू कर दी जाती हैं और सबेरे आकर देखते हैं तो फिर वहीं हालत नजर आने लगती है। उन्होंने कहा कि इससे हम काफी परेशान हो चुके हैं और आसपास के लोग भी हमारी कोई मदद नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के शैचालय और स्कूल के गेटों के साथ भी तोड़फोड़ की जा रही है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से स्कूल भगवान भरोसे हैं। उन्होंने कहा कि बाउंड्री वॉल ने होने के कारण आसामाजिक तत्व स्कूल परिसर में घुस जाते हैं और अवैध नशे का सेवन करते हैं। जिससे बच्चों के जीवन पर उसका विपरीत असर पड़ रहा है। आसामाजिक तत्वों को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन को इस और कदम उठाना चाहिए।

खाटू श्याम जी के लिए यात्रा हुई रवाना, सनातन धर्म यात्रा का तीसरा चरण हुआ शुरू



समय जगत, रीवा। उदासीनाचार्य जगद्गुरु श्री श्रीचंद्र भगवान जी के 532 वें प्राकटय उत्सव एवं श्रीचंद्र वालीसा महोत्सव के उपलक्ष्य में पूज्य सतगुरुओं के परम पावन आशिर्वाद से श्री स्वयं खंड उदासीन सनातन मंदिर, रीवा के तत्वाधान में एवं स्वामी सरूपदास जी के सानिध्य एवं समस्त युवा साथियों के अथक प्रयास से सनातन धर्म यात्रा का तीसरा चरण राजस्थान के खाटू श्याम जी मंदिर, जालासर बालाजी और पुष्कर तीर्थ के लिए रवाना हुआ। बताते चले की सनातन धर्म के प्रचार के लिए स्वामी स्वरूप दास जी की सानिध्य में यह तीसरी यात्रा है पहली यात्रा प्रयागराज के महाकुंभ और अयोध्या वाम के लिए हुई थी, दूसरे चरण में मधुरा वृंदावन की यात्रा रही यह यात्रा का तीसरा चरण है जोकि रविवार को सिंधु भवन से रवाना हुई इस यात्रा में रीवा के कई युवा और प्रतिष्ठित समाज सेवीयों के अलावा जबलपुर,पाली,बुंदारा,सौधी शहरों से भी अनेक भक्तगण शामिल हैं सभी भक्तगण स्थानीय सिंधु भवन से बस से कटनी के लिए रवाना हुए, कटनी से दयोदय एक्सप्रेस ट्रेन के माध्यम से जयपुर तक की यात्रा होगी।

सुभाष चौक की 40 फीट ऊंची दही हांडी पर जबलपुर के गोविंदाओं का कब्जा

कटनी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अगले रविवार को श्री बधाई उत्सव कमेटी के द्वारा कटनी में आयोजित होने वाले दधिकान्दो महोत्सव पर श्री सुभाष चौक कटनी दही हांडी समिति द्वारा बंधी गई 40 फीट ऊंची मटकी फोड़ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कटनी और जबलपुर से पहुंची गोविंदाओं की टीमों ने उत्साह और रोमांच से भरपूर प्रदर्शन किया इस दौरान विधायक संजय पाठक दोनों ही प्रतिभागी टीमों का उत्साह वर्धन करते रहे। 40 फीट की ऊंचाई पर लटकी मटकी को फोड़ने के लिए दोनों टीमों ने कई प्रयास किए। एक के बाद एक प्रयासों के बीच मौके पर मौजूद लोगों में उत्साह और रोमांच बना रहा। आखिरकार जबलपुर से आई गोविंदाओं की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 40 फीट ऊंची मटकी फोड़कर प्रतियोगिता अपने नाम कर ली। पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध भक्ति गीत गायक मनीष अग्रवाल की टीम ने भक्ति से भरे गानों से झूमने और नाचने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक



श्री संजय सत्येन्द्र पाठक रहे। उन्होंने विजेता गोविंदा टीम को 51 हजार रुपये की इनामी राशि एवं शील्ट प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष अवकाश जायसवाल, कार्यक्रम के संयोजक नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक सोनी, युवा मोर्चा के मुहुल मिश्रा, पासस जैन,नगर निगम के पार्षद गण रात 12 बजे तक हजारों की तादात में श्रद्धालु एवं नागरवासियों के साथ मौजूद रहे। दही हांडी प्रतियोगिता के दौरान पूरा सुभाष चौक श्रीकृष्ण भक्ति और उत्साह से सराबोर नजर आया। गोविंदाओं के जोश और मटकी फोड़ने के रोमांच ने उपस्थित दर्शकों का खूब मनोरंजन किया।

जिला स्तरीय शालेय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का भव्य समापन, संभाग स्तर के लिए खिलाड़ी चयनित

जिला स्तरीय शालेय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का भव्य समापन

विदिशा। स्थानीय जिला खेल परिसर में स्कूल शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय शालेय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण एवं भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता में जिले के सातों विकासखंडों विदिशा, सिरोंज, गंजबासौदा, कुरवाई, लटेरी, नटेरन एवं ग्यारसपुर से लगभग 223 प्रतिभागवा खिलाड़ियों ने भाग लिया। विभिन्न एथलेटिक्स स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, खेल कौशल और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। विभिन्न स्पर्धाओं में प्रथम करारने में विजय शर्मा, गोपाल कुशवाहा, लक्ष्मी नारायण, बालमुकुंद कुशवाहा, राखी यादव, जयदेव भलावी एवं रूपेश अहिरवार ने

प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराना तथा उन्हें उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना रहा। समापन अवसर पर सर्वेश व्यास, अंबेश सोनी, कृपा शंकर पंथी, माध्यमिक खेल शिक्षक पंकज भार्गव, मनीष अहिरवार एवं अखंड सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने में विजय शर्मा, गोपाल कुशवाहा, लक्ष्मी नारायण, बालमुकुंद कुशवाहा, राखी यादव, जयदेव भलावी एवं रूपेश अहिरवार ने



रेफरी के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। **प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त खिलाड़ी करेंगे संभाग स्तर पर प्रतिनिधित्व:** जिला

क्रीड़ा अधिकारी प्रशांत रघुवंशी ने बताया कि जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विभिन्न स्पर्धाओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले चयनित खिलाड़ी आगामी 11 एवं 12 सितंबर 2026 को टी.टी. नगर स्टेडियम, भोपाल में आयोजित होने वाली संभाग स्तरीय शालेय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में विदिशा जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने चयनित खिलाड़ियों को आगामी

प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिला स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों से संभाग स्तर पर भी उत्कृष्टप्रदर्शन की अपेक्षा है। उन्होंने खिलाड़ियों से नियमित अभ्यास, अनुशासन और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। **राष्ट्रीय स्तर पर जिला का नाम रोशन कर चुकी हैं निमिषा:** विदिशा जिले में एथलेटिक्स के क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जिले की खिलाड़ियों ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। नवांकुर विद्यापीठ, गंजबासौदा की खिलाड़ी निमिषा तिवारी ने हैमर थ्रो स्पर्धा में हरियाणा के भिवानी में आयोजित राष्ट्रीय शालेय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर विदिशा जिले का नाम रोशन किया था। निमिषा की उपलब्धि जिले के अन्य उपभूते खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

